केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 62 मंगलवार 24 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर संगोष्ठी 25 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर आगामी 25 सितम्बर बुधवार को दिन में 10 बजे से प्रेस क्लब सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। यह जानकारी देते हुये ऑल इण्डिया फार्मासिस्ट फेडरेशन जिलाध्यक्ष पवन कुमार पाण्डेय ने बताया कि संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, विशिष्ट अतिथि मुख्य चिकित्साधिकारी डा. रमाशंकर दूबे, औषधि निरीक्षक अरविन्द कुमार, फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. वाहिद अली सिद्दीकी को आमंत्रित किया गया है।

बताया कि गोष्ठी में डा. जमाल अहमद, डा. अमरनाथ सिंह, डा. प्रमोद कुमार पाण्डेय, डा. सुभाष मिश्र, डा. मो. शमीम, डा. अनिल चौधरी, डा. नरेन्द्र कन्नौजिया, डा. मनोज पाण्डेय, डा. मनोज चौधरी, डा. जफर अहमद अंसारी, डा. राम महेश चौधरी के साथ ही अनेक फार्मासिस्ट सम्बोधित करेंगे।

रोजगार मेले का आयोजन 28 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय/नाडल कॅरियर सेन्टर बस्ती द्वारा एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन आगामी 28 सितम्बर को दिन में 10.30 बजे से क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय कैम्पस कटरा मूडघाट रोड बस्ती में किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा ने बताया कि इस मेले में बस्ती रोडवेज उ0प्र0 परिवहन निगम बस्ती डिपों के आर0एम0/भर्ती अधिकारी सविंदा चालक (ड्राइवर) के 43 रिक्त पदों के लिए साक्षात्कार के माध्यम से कैम्पस भर्ती करेंगें।

मण्डलीय पेन्शन अदालत 8 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वित्तीय वर्ष 2024–25 में मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में बस्ती मण्डल के सेवानिवृत्त पेंशनरों की समस्याओं के समाधान के लिए पेंशन अदालत का आयोजन आगामी 8 अक्टूबर 2024 पूर्वान्ह 11 बजे मण्डलायुक्त कार्यालय सभागार में निर्धारित है। उक्त जानकारी देते हुए अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन आत्म प्रकाश बाजपेयी ने बताया कि समस्त राजकीय कार्यालयी के सेवानिवृत्त श्रेणी–2 तक के राजपत्रित अधिकारियों तथा अन्य शासकीय सेवकों तथा मृत शासकीय सेवको के परिवारों, जिन्हें अपने सेवानिवृत्तिक लाभों से संबंधित समस्याए हो, वे वाद/प्रत्यावेदन निर्धारित प्रारूप पर दिनॉक 30 सितम्बर तक संयोजक पेंशन अदालत/अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन, शास्त्री चौक बस्ती के कार्यालय में जमा कर दें तथा प्रत्यावेदन की एक प्रति अपने स्तर से भी संबंधित कार्यालयध्यक्ष/विभागाध्यक्ष को प्रेषित कर दें।

उन्होने बताया कि राज्य कर्मचारियों के अतिरिक्त जैसे–नगर निगम, जिला परिषद, जल निगम आदि से सेवानिवृत्त शासकीय सेवको के लंबित प्रकरणो पर इस पेंशन अदालत में विचार नहीं किया जाएगा।

निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पालिका परिषद बस्ती में सेवा निवृत्त लिपिक प्रेमचन्द्र सिंह और स्वास्थ्य अनुभाग में कार्यरत सफाई कर्मचारी श्रीमती हलीमुननिशा पत्नी स्व0 सलीम का आकस्मिक निधन हो गया । नगर पालिका में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उन्हे श्रद्धांसुमन अर्पित किया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा, प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, सभासदों और कर्मचारियों ने दुःख की घडी में शोक संतप्त परिवारों को दुख सहन करने हेतु प्रार्थना किया।

सुल्तानपुर डकैती काण्ड का एक और बदमाश अनुज प्रताप सिंह मुठभेड़ में ढेर

उन्नाव (आभा)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में एक ज्वेलर्स की दुकान में डकैती डालने वाले एक और बदमाश को एसटीएफ की टीम ने मुठभेड़ में मार गिराया है। लखनऊ एसटीएफ की टीम की एक लाख के इनामी बदमाश अनुज प्रताप सिंह को ढेर कर दिया। अनुज का साथी फरार होने में कामयाब हो गया। यह मुठभेड़ यूपी के उन्नाव जिले में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सुल्तानपुर डकैती के आरोपी अनुज प्रताप सिंह और उसके साथी के साथ लखनऊ की एसटीएफ की टीम की मुठभेड़ उन्नाव के अचलगंज थाना क्षेत्र में उन्नाव–रायबरेली हाईवे से पांच सौ मीटर दूर अचलगंज–कोल्हुआ मार्ग पर सोमवार तड़के करीब चार बजे हुई। गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। जबकि दूसरा भागने में कामयाब रहा।

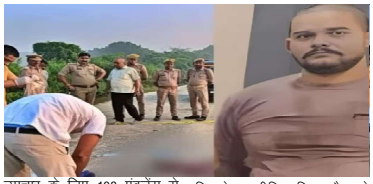

घायल बदमाश को प्राथमिक उपचार के लिए 108 एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। यहां से उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बदमाश की पहचान अमेठी के मोहनगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले अनुज प्रताप सिंह पुत्र धर्मराज सिंह के रूप में हुई है। जिस स्थान पर एनकाउंटर हुआ उसे सील कर दिया गया है फोरेंसिक टीम ने जांच किया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुल्तानपुर आभूषण दुकान डकैती मामले का दूसरा आरोपी सोमवार को उन्नाव में उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स के साथ मुठभेड़ में मारा गया है। एसटीएफ ने पांच सितंबर को एक अन्य आरोपी मंगेश यादव को मार गिराया था, जिससे राजनीतिक विवाद पैदा हो गया था और समाजवादी पार्टी के साथ कांग्रेस ने इस मुठभेड़ को फर्जी बताया था।

पुलिस एनकाउंटर में मारे गए इनामी बदमाश अनुज प्रताप सिंह के परिजनों के पहुंचने पर सोमवार दोपहर शव का पंचायतनामा भरा गया और दो डॉक्टरों के पैनल और वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराया गया। पैनल में डॉ. आशुतोष वार्ष्णेय और गंगाधाट सीएचसी के डॉ. रवि सचान शामिल रहे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में दाहनी ओर से गोली लगी, जो बाईं ओर पार कर गई। पोस्टमार्टम में बुलेट बरामद नहीं हुई। डॉक्टर के मुताबिक अधिक रक्तस्राव होने से मौत होने की पुष्टि हुई है।

पुण्य तिथि पर याद किये गये कांग्रेस नेता प्रेमशंकर द्विवेदी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सदस्य प्रेमशंकर द्विवेदी :एडवोकेट' को जनपद बार में कार्यक्रम आयोजित कर उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर याद किया गया। जनपद बार के अध्यक्ष जवाहरलाल मिश्रा के नेतृत्व एवं संयुक्त मंत्री बार एसोसियेशन एडवोकेट आशुतोष पाण्डेय के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में अधिवक्ताओं ने प्रेमशंकर द्विवेदी के कार्य व्यवहार की सराहना की।

जनपद बार के महामंत्री रविशंकर शुक्ला ने कहा प्रेमशंकर जी प्रखर वक्ता थे।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा प्रेमशंकर जी का असमय जाना कांग्रेस की अपूर्णनीय क्षति थी। संचालन वरिष्ठ कांग्रेसी नर्वदेश्वर शुक्ल ने किया। रामप्रताप सिंह, रजनीश कुमार सिंह, रमेशचन्द्र पाण्डेय, पारसनाथ तिवारी, विरेन्द्र कुमार द्विवेदी, विनोद कुमार सिंह, विक्रम कुमार, कृष्णमुरारी मिश्रा, विजयश्री मिश्रा, अरूण कुमार शुक्ला, राकेश पाण्डेय, ऋतुराज पाल, जयंत चौधरी, शीतला प्रसाद मिश्रा, लालजीत पहलवान, गिरजेश पाल, डा. आलोक रंजन वर्मा, अतीउल्लाह सिद्धीकी, रामधीरज चौधरी, शिवविभूति मिश्रा, अवधेश सिंह, धनंजय कुमार, इन्द्रमणि पाण्डेय, अविनाश शुक्ल, ब्रह्वेत्त निवास, कालिंदी पाठक, शिवनारायण पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

अवैध निर्माण कर जल निकासी और रास्ता बंद करने की कोशिशः डीएम से न्याय की मांग

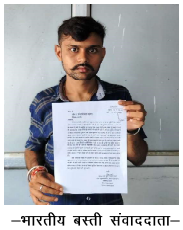

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के खुशहालगंज निवासी सूरज वर्मा पुत्र रामतौल वर्मा ने जिलाधिकारी को पत्र देकर रास्ते पर अतिक्रमण कर अवैध कब्जा और निर्माण रोकने की मांग किया है।

डीएम को दिये पत्र में सूरज वर्मा ने कहा है कि उसके गांव में भूखण्ड संख्या 466 मि0 दो खातों में दर्ज है। 466 मि0 का 0.0740 हेा रकबा 6 (1) गड़हा खाते में दर्ज है। गांव के ही सुनील विश्वकर्मा और श्रीराम विश्वकर्मा पुत्रगण राम सुमेर भूखण्ड संख्या 466 मि0 में अपना 0.3–9 विस्वा पोक्ता पट्टा बताकर उसके घर के आने–जाने वाले रास्ते पर अतिक्रमण कर निर्माण करा लेना चाहते हैं। आस पास के लोगों के घरों का पानी गड़ढे में जाता है। और रास्ता भी बहुत पहले से चल रहा है। यदि गड़ढे और आबादी की जमीन पर अवैध कब्जा व निर्माण हो गया तो रास्ता और बरसात का पानी अवरूद्ध हो जायेगा। विरोध करने पर उक्त लोग मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। सूरज वर्मा ने मांग किया है कि रास्ता और जल निकासी अवरूद्ध न होने पाये। अवैध निर्माण और कब्जे को रोका जाय।

स्वास्थ्य शिविरों में हुआ मरीजों का उपचार

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। आयुष्मान भारत योजना के छह वर्ष पूर्ण होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 60 वर्ष से अधिक उम्र मरीजों का इलाज कर उन्हें दवाएं व रोगों से बचाव की सलाह दी गई। इस अवसर पर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को उल्लेख किया गया। सोमवार को बस्ती में सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत आयुष्मान भारत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें भाजपा नेताओ ने भाग लिया। शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य जांचों का आयोजन किया गया, जिसमें रक्त जांच, शुगर जांच और आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी बनाने की सेवाएं शामिल थीं। स्थानीय लोगों ने शिविर का लाभ उठाते हुए अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान पाया।

इस अवसर पर हरैया सामुदायिक स्वस्थ केन्द्र पर विधायक अजय सिंह, कप्तानगंज में जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, रुधौली में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, मरवाटिया में पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, बहादुरपुर में पूर्व विधायक रवि सोनकर मुख्य अतिथि रूप में शिविर का उद्घाटन किया। प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अभी हाल में ही घोषणा की गई है की 70 साल से ऊपर प्रत्येक बुजुर्ग का आयुष्मान भारत कार्ड के माध्यम से निशुल्क इलाज होगा।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाना और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष गौरव तिवारी, मण्डल प्रभारी गजेन्द्र मणि जी, चिकित्सा अधीक्षक अभय सिंह, चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉक्टर वीरेन्द्र त्रिपाठी, सह संयोजक वी के श्रीवास्तव, कार्यक्रम की संयोजक शालिनी मिश्र, पूर्व मण्डल अध्यक्ष मोहन मोदनवाल, रवि तिवारी, दिव्यांशू दूबे, शिव बहादुर मौर्य, भानु प्रताप सिंह सहित पार्टी के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर चलाये शब्दवाण

पुन्छ (आभा)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को जम्मू–कश्मीर के पुंछ में चुनावी रैली की। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी पर उन्होंने सीधा हमला बोला और कहा कि अब वह बदल चुके हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आज वह नरेंद्र मोदी नहीं रह गए हैं, जो पहले हुआ करते थे। हमने उनको मनोवैज्ञानिक तौर पर खत्म कर दिया है। अब वह नरेंद्र मोदी नहीं बचा है, जिसे आप लोग पहले देखा करते थे। राहुल गांधी ने कहा, 'जो पहले नरेंद्र मोदी थे, 56 इंच की छाती वाले। आपको उनका चेहरा दूर से दिखता है, मैं तो संसद में सामने रहता हूं। साफ दिखता है कि पहले जो नरेंद्र मोदी थे, आज वह नहीं बचा है। आज विपक्ष जो करवाना चाहता है, हम वह करवा लेते हैं। वे कोई कानून लाते हैं तो हम उनके सामने खड़े हो जाते हैं और फिर वे नया कानून लाते हैं।'

राहुल ने कहा कि इलेक्शन के दौरान नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं तो

बायोलॉजिकल नहीं हूं। मेरी सीधा कनेक्शन ऊपर है। मैं तो सीधे भगवान से बात करता हूं। लेकिन अब छ्छ. क्ष्. गठबंधन ने नरेंद्र मोदी को मनोवैज्ञानिक रूप से तोड़ दिया है। लोकसभा में नेता विपक्ष ने कहा, श्हमने यह काम नफरत से नहीं बल्कि मोहब्बत से यह किया है। हमने मोहब्बत के जरिए नफरत को हराया है। उन्होंने कहा कि ऐसा बहुत बार हुआ है कि यूनियन टेरिटरी को राज्य बनाया गया। कई बार राज्यों का बंटवारा हुआ और एक से दो राज्य बने। मगर ऐसा पहली बार हुआ कि एक राज्य को यूनियन टेरिटरी बनाया गया। आप जो हक है, वह आपसे छीना गया है। भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। एक स्टेट से कहा गया कि आप अब राज्य नहीं रहेंगे बल्कि केंद्र शासित प्रदेश होंगे।श

पूरे देश में नरेंद्र मोदी ने बेरोजगारी फैला रखी है। सिर्फ 2 से तीन लोगों के लिए ये काम करते हैं। इन्होंने देश के 25 अरबपतियों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया है। छोटे कारोबारियों को इन लोगों ने खत्म कर दिया है। नतीजा यह है कि हिन्दुस्तान में कहीं भी रोजगार नहीं है और यही हाल जम्मू–कश्मीर में भी है।

आज आपकी सरकार ही यहां से नहीं चलती बल्कि दिल्ली से आदेश आता है। हम चाहे थे कि आपको चुनाव से पहले ही स्टेटहुड मिल जाए। हम चाहेंगे कि इलेक्शन होते ही ऐसा हो जाए। ये लोग बांटने का काम भी करते हैं। भाषा को भाषा से, राज्य को दूसरे राज्य से और धर्म, जाति के आधार पर भी ये झगड़ा कराते हैं। यहां भी इन्होंने पहाड़ी और गुर्जर भाइयों को लड़ाने की कोशिश की। मैं बता देता हूं कि इनका यह प्रोजेक्ट फेल होगा।

मेरी रगों में कांग्रेस का खून, भाजपा नेता नसीहत न दें–सैलजा

नई दिल्ली (आभा)। हरियाणा विधानसभा चुनावों के बीच कांग्रेस महासचिव और सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने अपनी नाराजगी की खबरों के बीच दो टूक कहा है कि उनकी रगों में कांग्रेस का खून है और वह कांग्रेसी ही रहेंगी। 61 वर्षीय दलित नेता का यह बयान तब आया है, जब राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने उन्हें भाजपा में शामिल होने का न्योता दिया है। इस तरह से कुमारी सैलजा ने पूर्व सीएम खट्टर का न्योता ठुकरा दिया है। उन्होंने कहा कि वह अगले दो–तीन दिनों में चुनाव प्रचार शुरू करेंगी। उन्होंने पार्टी नेतृत्व के साथ बैठक को लेकर कहा कि शीर्ष नेताओं के साथ अक्सर चर्चा होती रहती है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सैलजा ने च्न्र से कहा, "पार्टी में 100 तरह की बातें होती हैं, लेकिन वो पार्टी के अंदर की बातें होती हैं। पार्टी को जिताने के लिए हमने लोकसभा चुनाव में मेहनत

राहुल गांधी पर भाजपा नेताओं के टिप्पणियों से भड़के कांग्रेसीः सौपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उ.प्र. कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मोहन यादव के निर्देश पर पिछड़ा वर्ग विभाग बस्ती के जिलाध्यक्ष इंजी. चन्द्रशेखर चौधरी के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा गया। मांग की गई कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विरूद्ध भाजपा नेताओं और मंत्रियों द्वारा की जा रही अपमानजनक बयानबाजी और धमकियों पर तत्काल रोक लगाई जाये।

इंजी. चन्द्रशेखर चौधरी ने कहा कांग्रेस पार्टी हमे सहनशीलता व संवेदनशीलता सिखाती है, वरना हम उसी भाषा में जवाब दे सकते हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ज्ञानू ने कहा भाजपा नेता मर्यादा भूल चुके हैं।

डा. आलोक रंजन वर्मा ने कहा हम पार्टी के संस्कारों से बंधे हैं, पार्टी हमें मर्यादा में रहकर अपनी बात रखने का तरीका सिखाती है, भाजपा इसी का फायदा उठाती है और नफरती भाषा से माहौल दूषित करती है। ज्ञापन सौपने वालों में प्रमुख रूप से अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष सद्दाम हुसेन, डा. मारूफ अली, पिपंस. अनिल कुमार भारती, गिरजेश पाल, अशोक श्रीवास्तव, डीएन शास्त्री, अखिलेश साहनी,आदि शामिल रहे।

शिक्षकों, कर्मियों ने बीईओ को दिया भावभीनी विदाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया बीआरसी सभागार में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामसागर वर्मा के नेतृत्व में हरैया से गौर स्थानांतरित हो चुके खण्ड शिक्षा अधिकारी बड़कऊ वर्मा को सोमवार को भावभीनी विदाई दी गई। शिक्षकों ने खंड शिक्षा अधिकारी बड़कऊ वर्मा को फूल मालाओं से लाद दिया और उन्हें विभिन्न प्रकार के उपहार भी भेंट किए। खंड शिक्षा अधिकारी ने उनके तीन साल के कार्यकाल के दौरान शिक्षकों द्वारा किए गए सहयोग और व्यवहार के प्रति उन्होंने आभार जताया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों और कर्मचारियों ने कदम से कदम मिलाकर जिस तरह शिक्षा के क्षेत्र में हरैया को आगे बढ़ाया उसके लिए हम सभी के आभारी है और आशा करते हैं कि इसी गति से निरंतर हरैया शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ता रहेगा। वर्तमान खंड शिक्षा अधिकारी हरैया विजय आनंद ने संबोधित् करते हुए कहा

कि लंबे समय तक एक जगह कार्य कर लेने पर विदाई दुख की घड़ी होती है लेकिन स्थानान्तरण स्वाभाविक प्रक्रिया है। इसलिए सदैव प्रयास यह होना चाहिए कि दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन किया जाय। बाकी जो कर्मयोगी हैं वह जहां भी रहेंगे अपने ज्ञान से प्रकाश ही फैलाएंगे। नगर पंचायत के चेयरमैन कौशलेंद्र प्रताप सिंह राजू, प्रधानाचार्य विनोद प्रकाश वर्मा, ब्लॉक मंत्री रामप्यारे, जिला उपाध्यक्ष रवीश कुमार मिश्र, जिला संगठन मंत्री विवेक कांत पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यराम वर्मा, एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, उदय प्रताप सिंह, संदीप सिंह, उमेश सिंह, सुनील बौद्ध आदि ने सम्बोधित किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक, अनुचर और बीआरसी कार्यालय के स्टाफ मौजूद रहे।

मांगों के समर्थन में शिक्षकों का धरना 25 को बैठक में बनी रणनीति, सौपी गई जिम्मेदारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक सोमवार को जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह की अध्यक्षता में प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 25 सितम्बर को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में प्रस्तावित धरने को लेकर रणनीति बनाई गई जिसमें ब्लाकवार जिला पदाधिकारियों और ब्लॉक पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि धरने को शिक्षामित्र और अनुदेशकों का समर्थन प्राप्त है। जिसके चलते धरने में पूरे जनपद के शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक बड़ी संख्या में शामिल होंगे। बताया कि गत दिनों बीएसए ने बताया था कि जिलाधिकारी द्वारा कमेटी बनाकर गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय पर विधिक कार्यवाही की जाएगी परंतु किसी भी प्रकार की कार्यवाही न होने से संघ को धरना प्रदर्शन का निर्णय लेना पड़ा। यदि इसके बावजूद भी कार्यवाही नहीं होती है तो ब्लॉक स्तर पर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा।

जिलामंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि संघ की मांग है कि शिक्षामित्र और अनुदेशकों का मानदेय बिल

–धरने में शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक होंगे शामिल

शिक्षकों के वेतन रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत किया जाय। 50 से कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को कदापि बन्द न किया जाए। शिक्षकों की सर्विस बुक पूर्ण कराए जाने के साथ ही जीपीएफ, एनपीएस पासबुक और लेखा पर्ची जारी किया जाय। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि बिना स्पष्टीकरण के किसी का भी वेतन और मानदेय बाधित न किया जाए। शिक्षकों द्वारा लिए गए चिकित्सा अवकाश को समय से स्वीकृत किया जाए तथा एफएलएन के अंतर्गत जो भी प्रशिक्षण हुए हैं उसकी धनराशि संबंधित शिक्षक और शिक्षामित्र के खाते में भेजी जाए। जिलामंत्री ने बताया इन तमाम मांगों को लेकर 25 सितंबर को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया है।

धरने में बस्ती सदर की जिम्मेदारी सुधीर तिवारी, राजेश गिरी, संतोष मिश्रा ,संतोष जायसवाल, गणेश श्रीवास्तव बनकटी की उमाकांत शुक्ला ,अनिल पाठक, सुरेश गौड़ ,मोहम्मद असलम, मक्खन लाल कुदरहा ब्लॉक की गिरजेश चौधरी, सनद पटेल, बृजेश मिश्रा ,चंद्रशेखर बहादुरपुर ब्लॉक की अमित सिंह, मनोज उपाध्याय, प्रमोद सिंह, अटल उपाध्याय, अमरेंद्र सिंह, प्रशांत बरगाह,रमाशंकर लाल गौर ब्लॉक की समीउल्लाह अंसारी,प्रवीन श्रीवास्तव, गंगा प्रसाद ,अखिलेश पाण्डेय,मुरलीधर, विवेकानंद हरैया में शिवप्रकाश सिंह,शिवपूजन आर्य,रमेश वर्मा,रंजन सिंह,दिनेश सिंह, नंदलाल, देवेंद्र सिंह ,सत्य प्रकाश कनौजिया , भारत भूषण यादव,अमित पाण्डेय, शिल्पी पाण्डेय,जितेंद्र पाण्डेय, गौरव चौधरी ,दौलत राम ,शेषनाथ यादव,रजनीश यादव, हरेंद्र यादव, वेद प्रकाश उपाध्याय, रामनगर में दिलीप दुबे,रवि प्रताप सिंह,विजय कुमार, प्रताप नारायण चौधरी, गिरजेश सिंह, अविनाश दुबे ,राकेश पांडेय, उमाशंकर पांडेय, संजय यादव ,विवेक सिंह, मनीष मिश्रा,रीना कन्नौजिया, रेहाना परवीन, परसरामपुर में संतोष पाण्डेय, आज्ञाराम वर्मा, अश्विनी सिंह ,साधना तिवारी ,हरिओम यादव, आनन्द ,साऊघाट में श्रुति त्रिपाठी, अनीता भट्ट,रुकनुद्दीन, मुस्तकीम खान,असद जमाल,आशीष दुबे,अशोक यादव,संजय चौधरी, अनीस अहमद, रुधौली में नीरज सिंह, अंगद सिंह ,संतोष पाण्डेय,रमाकांत चौधरी, शिवरतन, राम भवन को प्रभारी बनाया गया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 24 सितम्बर 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

योग और विज्ञान

हमारी हजारों साल के योग की विरासत की सार्थकता निर्विवाद है। लेकिन प्रगतिशील कहे जाने वाले एक तबके का तर्क होता है कि योग को विज्ञान की कसौटी पर कसा जाए। हालांकि, अमेरिका,यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के सम्मानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हालांकि, आज सारी दुनिया में योग बाजार सजाकर अरबों का कारोबार किया जा रहा है, लेकिन भारत में योग के प्रति वैसी दीवानगी नजर नहीं आती। निस्संदेह, मोदी सरकार को देश–विदेश में योग को प्रतिष्ठित करने तथा एलोपैथी व अन्य चिकित्सा विधाओं में समन्वय की दिशा में सार्थक पहल करने का श्रेय दिया जाना चाहिए। हाल ही में आईआईटी व एम्स दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवत्ता बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है। दरअसल, योग निद्रा सोने और जागने के बीच एक सचेतन अवस्था है। जिसका उपयोग योगी ध्यान साधना के लिये करते रहे हैं। योग निद्रा की मानसिक सेहत के लिये उपयोगिता निर्विवाद रही है। अब आईआईटी व एम्स दिल्ली के शोध में भी यह बात स्वीकारी गई कि इससे आराम के गहरे अहसास होते हैं। वहीं दूसरी ओर नियमित योग व ध्यान करने वाले प्रतिभागियों की नींद को नियंत्रित करने की क्षमता सामान्य प्रतिभागियों से अधिक पायी गई।

इस वैज्ञानिक शोध में कई महत्वपूर्ण खुलासे हुए। निस्संदेह, जिन लोगों को कई तरह के मनोकायिक रोग होते हैं, उनके लिये योग निद्रा रामबाण सिद्ध हो सकती है। यही वजह है कि अमेरिका व आस्ट्रेलिया आदि देशों में व्यावसायिक तनाव कम करने हेतु योग निद्रा पर जोर दिया जाता है। दिल्ली में हुए शोध में योग निद्रा से चेतना के उच्चतम स्तर को हासिल करने के तथ्य को भी स्वीकारा गया। शोधकर्ताओं ने माना कि योग निद्रा के जरिये गहरे अवचेतन मन में दबी कुंठाओं को मानसिक सतह पर लाकर, कालांतर उनसे मुक्ति में मदद मिलती है। जिससे व्यक्ति की सेहत में सुधार होता है। तनाव के समय में, कई लोग योग या ध्यान का सहारा लेते हैं। योग निद्रा एक ऐसी क्रिया है जो तनाव और चिंता को कम करने में विशेष रूप से प्रभावी है और अनिद्रा से भी निजात दिला सकती है। कई मायनों में, योग निद्रा ध्यान के ज्यादा करीब है, न कि ज्यादातर लोग इसे योग समझते हैं। इसमें कोई खिंचाव या मुद्रा शामिल नहीं है। इसके बजाय योग निद्रा आराम करने और गहरी चेतना तक पहुँचने पर ध्यान केंद्रित करती है। योग निद्रा के दौरान डेल्टा मस्तिष्क तरंगों को सक्रिय करने से आपके मन और शरीर को जागते समय आराम मिलता है। योग निद्रा पीनियल ग्रंथि को भी सक्रिय करती है। पीनियल ग्रंथि एक छोटी ग्रंथि है, जो मटर के आकार और आकार की होती है, जो आपके मस्तिष्क के तने के शीर्ष पर स्थित होती है। यह आपके अंतःस्रावी तंत्र का हिस्सा है , जो हार्मोन स्रावित करता है।

आज के आपाधापी के जीवन में जब हर कोई ओवर थिंकिंग के मर्ज से जूझ रहा है योग निद्रा हमारे मन के भटकाव को रोकने में भी मददगार हो सकती है। शोध के दौरान बनाये गए दो समूहों में से नियमित योग करने वाले समूह के लोगों के मस्तिष्क के पैटर्न के तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि योग निद्रा हमारे मस्तिष्क को कैसे नियंत्रित करती है। योगी बताते हैं कि कुछ मिनटों की योग निद्रा कई घंटे की सामान्य नींद के मुकाबले ज्यादा विश्रांति देने वाली होती है। व्यक्ति धीरे–धीरे योग निद्रा की अवधि बढ़ाकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता है। वहीं यह हमारे ध्यान को गहरा बनाने में भी मददगार साबित हो सकती है। लेकिन अनुभवी योगी से सीखकर योगनिद्रा करने से अधिक बेहतर परिणाम पाये जा सकते हैं। योग के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। अच्छा हो इस दिशा में पहल हो।

जम्मू–कश्मीर में मोदी दांव और राजनीति

—ज्योति मल्होत्रा—

श्रीनगर में आज वह शांति व्याप्त है, जो पिछले कई सालों में देखने को नहीं मिली थी। पार्क फुटबॉल खेलते बच्चों से भरे हुए हैं और अभिभावक आसपास बैठकर गपशप कर रहे हैं। लाल चौक काफी सुथरा है, एक विशाल होर्डिंग पर गर्भावस्था परीक्षण किट का विज्ञापन प्रदर्शित है। बंध रोड पर बने एक मॉल में 'स्टारबक्स' रेस्तरां भी खुल गया है, जिसकी निगहबानी सामने लगी चिनार के पेड़ों की ऊंची कतार करती प्रतीत होती है। ऑटो और उबर वाले (जो अभी शाम को पंथा चौक की सवारी नहीं चाहते) और दुकानदार कश्मीर घाटी में भारतीय पर्यटकों की वापसी से खुश हैं। स्कूल भरे हुए हैं और साल भर खुले रहते हैं – प्रेजेंटेशन कॉन्वेंट के बाहर एक इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड पर सूक्ति लिखी है, जिसका भावार्थ है: 'एक अच्छा छात्र वही, जो ज्ञान के कुएं में डुबकी लगाकर घूंट भरे'। तथापि, एक गहरी सांस लें और झेलम नदी के तट पर खड़े होकर तनिक सोचें दृ क्या यह शांति तूफान से पहले की है? तब क्या होगा यदि लोगों को पता चले कि 1 अक्तूबर को विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद, जम्मू–कश्मीर का निजाम भी 'दिल्ली के आधी–अधूरी शक्तियों वाले मॉडल' की तर्ज पर बना दिया गया? पिछले सप्ताह के शुरू में, एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए वादे के बावजूद, पूर्ण राज्य का दर्जा लौटना इतना आसान नहीं है, कम–से–कम फिलहाल तो नहीं। वह स्थिति, जब पीएम मोदी के चुने व्यक्ति यानि उपराज्यपाल के पास भूमि और कानून–व्यवस्था जैसे शक्तिशाली विभागों का प्रभार रहेगा,जबकि बाकी का काम एक निर्वाचित मुख्यमंत्री चलाए। कहीं ऐसा तो नहीं कि यह शांति तूफान गुजरने के बाद की हो दृ क्या लोगों को अहसास हो चुका है कि अब पत्थरबाजी या विरोध प्रदर्शनों या उग्रवाद में शामिल होने का कोई औचित्य नहीं है? निश्चित रूप से, देश में किसी भी अन्य कौम से ज़्यादा– मणिपुरियों के अतिरिक्त –कश्मीरी इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि एक गलत कदम केंद्र को सख्त कार्रवाई करने के लिए उकसाएगा। साल 2019 की अगस्त की एक सुबह श्रीनगर के एक उपनगर सौरा में लोगों के विरोध प्रदर्शन को डराने के लिए की गई भारी गोलीबारी की धुंधली यादें इसकी याद दिलाती हैं।

शायद, यह शांति तूफान के कारण है। यह स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री मोदी ने फिर से पासा फेंका है और अपने ताश के सबसे महत्वपूर्ण इक्कों को चल रहे हैं। मोदी जानते हैं कि दांव –विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय पटल पर– बहुत बड़ा है। वर्तमान अमेरिका यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात वैश्विक नेताओं से हो रही है, वे उनसे कश्मीर के बारे में भी बात करें, यह स्वाभाविक है। इसलिए मोदी को अन्य की अपेक्षा सबसे अधिक भान है कि मौजूदा चुनाव होने से तमाम फर्क पड़ेगा दृ या तो इससे उनकी विश्वसनीयता बढ़ेगी या उन पर शक और गहराएगा। वस्तु स्थिति यह है, जिस प्रकार हालिया लोकसभा चुनावों में उनका प्रभाव मद्धम पड़ा, उसके मद्देनजर, यदि हरियाणा और महाराष्ट्र में भी धक्का लगा तो उनकी स्थिति और कमजोर पड़ेगी। लेकिन कश्मीर का मामला अलग है।

यह चुनाव केवल इसको लेकर नहीं है कि जीत किसकी होगी दृ हालांकि,यदि भाजपा किन्हीं पैंतरों से किसी तरह सरकार बनाने में कामयाब हो जाती है, तो यह उपलब्धि न केवल टोपी में नया फुंदना होगी बल्कि न थमने वाले उन्मादी प्रचार की वजह भी– जिसको पिछले पांच सालों की 'कारगुजारी' पर आया जनता का फैसला ठहराया जाएगा। इस तथ्य के अलावा कि कुछ सार्वजनिक परियोजनाओं के ठेके पूर्वी उत्तर प्रदेश के ठेकेदारों को मिले हैं –जो कि लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा का गृह क्षेत्र है दृ हकीकत यह है कि गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कुछ सबसे काबिल अधिकारियों और सैनिकों ने मिलकर बढ़िया परिणाम कर दिखाया है, जो आतंकवाद में आई कमी में स्पष्ट दिखाई देता है।

इसीलिए यह चुनाव अलग है। यह निश्चित रूप से आतंकवादियों की नई भर्ती में कमी आने के बारे में है – जिनकी संख्या अब कश्मीर घाटी में 75 तो इतनी ही जम्मू क्षेत्र में बताई जाती है दृ किंतु यकीकन यह गिनती केवल इतनी नहीं हो सकती। इन गर्मियों में, भारतीय सेना ने न केवल जवानों को खोया, बल्कि असामान्य संख्या में अधिकारियों को भी, जिन पर घात लगाकर हमला करने वालों में अधिकांशतः उच्च प्रशिक्षित एवं उकसाए गये आतंकवादी थे, जो अमेरिका निर्मित घातक एम–4 असॉल्ट राइफल जैसे घातक हथियारों से लैस थे – संभवतः अफगान युद्ध से चुराए गए – वे अंतर्राष्ट्रीय सीमा के नीचे से सुरंग खोदकर जम्मू में दाखिल हुए और भारतीय सैनिकों को अचानक आ घेरा। तथापि, भारतीय सेना को यह श्रेय है कि उसने नियंत्रण रेखा दृ जहां पर पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम समझौता कायम है दृ और साथ ही जम्मू क्षेत्र में फिर से खुद को संगठित किया है। लगता है कमोबेश अपनी बढ़त वापस पा ली है। यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में लिए गए अब तक के सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसलों में एक रेखा खींचेगा। जब अगस्त की एक सुबह अनुच्छेद 370 को एक आदेश के जरिये हटा दिया गया और राज्य के चारों ओर सुरक्षा आवरण बुन दिया गया। प्रतिरोध की आवाजें, मसलन मीडिया, को अलग–थलग कर दिया और घाटी पहुंचने वाली उड़ानों में पत्रकारों–फोटोग्राफरों और कार्यकर्ताओं के नाम 'नो–फ्लाई' सूची में डाल दिए गए और स्थानीय अखबारों की हैसियत महज मुखपत्रों से ज़्यादा कुछ नहीं छोड़ी। राजनेताओं को या तो घरों में नजरबंद कर दिया या जेल में डाल दिया गया। उनमें से कुछ, जैसे कि बारामुला से वर्तमान सांसद इंजीनियर राशिद, जिन्हें यूएपीए आतंकी अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था, इस चुनाव में फिर से प्रचार कर रहे हैं, जिससे कई लोग सवाल करने लगे हैं कि वे और प्रतिबंधित जमात–ए–इस्लामी के अन्य उम्मीदवार, जो बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं, क्या वास्तव में भाजपा के छद्म उम्मीदवार हैं।

पांच साल हो गए, जो सबसे बड़ा सवाल कायम है, वह यह कि जो भी हुआ क्या इसकी जरूरत थी। क्या आप लोकतंत्र का पैमाना साफ–सुथरी सड़कें, बच्चों से भरे पार्क, स्कूल जाते छात्र और गड्ढों से मुक्त राजमार्गों को बनाएंगे, इस तथ्य के बावजूद और जितना हमने जाना है, कि इन पांच सालों में लोकतंत्र पटरी से उतरा रहा। आमतौर पर नौकरशाही, चाहे कितनी भी सक्षम क्यों न हो, उन राजनेताओं की जगह नहीं ले सकती, जिनका काम लोगों को और उनकी शिकायतों को सुनना है। सवाल यह है कि क्या यह चुनाव एक नए युग का सूत्रपात करेगा, यदि ऐसा है, तो यह पुराने युग से कितना अलग होगा? इसलिए यह मोदी के अपने हित में– साथ ही भारत के राष्ट्रीय हित में भी दृहोगा कि जम्मू–कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने दिया जाए। सबसे अच्छी बात यह है कि इस पूर्व राज्य में आज हर कोई मानता है कि हालात ठीक हो सकते हैं, सुशासन संभव है, और सबसे बढ़िया यह है कि उग्रवाद पर काबू पाया जा सकता है। कल्पना कीजिए कि आगामी निर्वाचित सरकार के लिए मॉडल कैसा रहेगा। तीन चरणों में होने वाले मतदान का पहला पड़ाव हाल ही में पूरा हुआ है, दक्षिण कश्मीर, जोकि उग्रवाद के केंद्र बिंदुओं में एक रहा हैदृ वहां 60 प्रतिशत मतदान होना एक आश्चर्यजनक संकेतक है। इसका मतलब है कि पत्थरबाजों को पत्थरों की बजाय वोटों की तरफ और वर्षों से दबे हुए आक्रोश को प्रेरित कर बृहद कल्याण की राह पर मोड़ा जा सकता है। कश्मीर में वर्षों तक व्याप्त रही अराजकता और दुख को कभी भुलाया नहीं जा सकता, लेकिन दुआ करें कि काश यह चुनाव एक नए अध्याय की शुरुआत करे। यदि ऐसा हो सका, और लोकतंत्र की पुनर्स्थापना विधिवत हो जाए, तब कश्मीर सामान्य स्थिति में वापस लौटने का सपना देख सकता है। किंतु फिलहाल तो यह पिलपिली जमीन पर खड़ा है, एक कदम–आगे या पीछे की तरफ– निश्चित रूप से इसकी नियति तय करेगा।—लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

स्त्रियों के मूल अधिकारों की विडंबना

—संजीव ठाकुर—

देश की विशाल जनसंख्या में लगभग 50: की भागीदारी रखने वाली राष्ट्र की संवेदनशील माताएं ,बहने अपने मूल तथा सार्थक अधिकार की तलाश में अभी भी संविधान और सरकार की तरफ आस लगाए इंतजार में बैठी हुई है। स्त्रियों का एक बड़ा तबका अभी भी अपनी स्वतंत्रता एवं मौलिक अधिकार से वंचित है। महिलाओं का विकास जितना विशाल आभासी रूप से दिखाया जा रहा है, वास्तविकता एवं धरातल पर स्थिति वैसी नहीं है। महिलाओं के भौतिक रूप से विकास के लिए एक जन अभियान और पृथक समेकित योजना की आवश्यकता दंश में होगी तब जाकर महिलाओं के सशक्तिकरण की बात अपनी मूल भावना को प्राप्त कर पाएगा।

भारतीय गणतंत्र में 15वीं राष्ट्रपति के रूप में महामहिम द्रौपदी मुर्मू जी के निर्वाचित होने के साथ–साथ महिला सशक्तिकरण और आदिवासी महिलाओं के लिए विकास के नए द्वार खुलने की संभावनाएं बलवती हो गई हैं। माननीय राष्ट्रपति को महिलाओं के संघर्ष, जिजीविषा और नैतिक मूल्यों की पोषक होने का पर्याय माना जा रहा है। उनके राष्ट्रपति चयनित होने के साथ–साथ आदिवासी वर्ग में और खासकर समग्र रूप से महिलाओं में नई ऊर्जा,शक्ति तथा उत्साह का संचार हुआ है। अब भारत देश के क्रमिक विकास में महिलाओं की भागीदारी में निश्चित तौर पर इजाफा होना चाहिए, आदिवासी महिला के सर्वोच्च राष्ट्रपति जैसे गरिमामई पद में चयन होना भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। वर्तमान में भारत की विशाल जनसंख्या में 45: से 50: भागीदारी महिलाओं की है । महिलाओं को अभी उनके हक का अधिकार एवं भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, ऐसे में रक्षा प्रतिरक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भर्ती एक अच्छे संकेत के रूप में सामने आ रही हैस आज के समय में महिलाएं सभी क्षेत्रों में साहस, शौर्य और ऊर्जा का बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रही हैं, महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर काम में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अब इसमें सशस्त्र बलों यानी डिफेंस सर्विस भी अछूता नहीं रहा सबसे बड़ी बात स्वतंत्र भारत की दूसरी रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण बनी थी इसके पूर्व श्रीमती इंदिरा गांधी प्रथम रक्षा मंत्री रही थीस अब कोई भी क्षेत्र ऐसा अछूता नहीं रहा जहां महिलाओं ने अपनी सशक्त दस्तक ई पहचान ना कराई हो, यह तो पूर्व से ही कहा गया है यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो सिर्फ एक पुरुष शिक्षक होता है किंतु यदि आप किसी महिला को सर्वागीण शिक्षा देते हैं तो आने वाली संपूर्ण पीढ़ी को शिक्षित कर रहे हैं ।नारी शक्ति को अब ज्यादा दिनों तक देश की प्रगति विकास के योगदान से परे नहीं रखा जा सकता हैस परिवार की धुरी महिलाएं होती है परिवार से घर बनता है घर से समाज और समाज और संपूर्ण समाज से एक सशक्त राष्ट्र की बुनियाद रखी जाती है। इस तरह देश की बुनियाद ही स्त्री सशक्तिकरण हैस महिलाएं अच्छी तरह समझती हैं कि घर से लेकर देश की सीमा तक उन्हें व्यवहार कर देश के विकास और उसकी रक्षा में उन्हें किस तरह योगदान देना है। महिलाओं के बिना देश की प्रगति एवं विकास की कल्पना सर्वथा बेमानी हैस सशक्त माताएं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती हैंस और सीमा रक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी इसका एक बड़ा उदाहरण और प्रतिफल है इन उदाहरणों में से प्रथम लेफ्टिनेंट सुनीता अरोड़ा ,प्रथम एयर मार्शल पद्मावती बंदोपाध्याय ,कैप्टन मिताली मधुमिता ,भारत में आए अमेरिकी राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर देने वाली प्रथम विंग कमांडर पूजा ठाकुर ऐसे अधिकारियों के नाम है जिन्होंने रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एवं महिलाओं के प्रति सारी अवधारणाओं को गलत साबित कर एक सशक्त छवि को निरूपित किया हैस महिलाओं की शारीरिक बनावट तथा उनके शारीरिक विन्यास को देखते हुए प्रतिरक्षा सेवा में उनकी भूमिका बहुत कम रही है,हम मां दुर्गा भवानी की पूजा करते हैं और महिलाओं को कमजोर समझते हैं। किंतु उनकी शक्ति को उनकी भागीदारी को अंततः स्वीकार किया गया और 1992 में पहली बार भारतीय सेना में महिलाओं के लिए द्वार खोले गए एवं 25 महिला कैंडिडेट को ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी गया में ट्रेनिंग दी गई इसके पूर्व सिर्फ चिकित्सा सेवा में महिलाओं को नियुक्त किया जाता रहा है। सेना में इनकी भागीदारी होते हुए भी इन्हें पुरुषों के समान अधिकार नहीं दिए गए थे, महिलाएं रक्षा सेवा में विधिक, शिक्षा, इंजीनियरिंग, इंटेलिजेंस तथा ऐयर सिग्नल कोर में अपनी सेवाएं देती रही हैं ।महिलाओं को केवल शॉर्ट सर्विस कमिशन जाने की 14 साल तक के लिए कमीशन किया जाता रहा जबकि पूरे समय के लिए केवल पुरुषों को ही सेना में भर्ती किया जाता थास 2008 में उच्च न्यायालय के निर्देश पर महिलाओं को परमानेंट कमिशन पर रखा जाने लगा ।यह नारी सशक्तिकरण के लिए एक सशक्त मील का पत्थर साबित हुआस सेना की सैन्य प्रमुखों की समिति ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की नियुक्ति पर स्थाई कमीशन की सिफारिश तो की किंतु इन्हें लड़ाकू सैनिकों की भूमिका देने से इनकार कर दिया उसके पीछे यह दलील दी गई की महिलाओं को लड़ाई के मैदान में भेजना उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए ठीक नहीं एवं देश की संस्कृति के अनुसार महिलाओं को दुश्मन से लड़ने भेजना अथवा दुश्मन द्वारा पकड़े जाने पर उचित नहीं होगा। इसलिए महिलाओं को फ्रंटलाइन में नियुक्त किया जाना उचित नहीं होगा किंतु बाद में कुछ संशोधन किए जाने के पश्चात महिला अधिकारी कॉम्बैट जोन में पदस्थ की जाने लगी किंतु समाज का नजरिया महिलाओं के संदर्भ में बदलने लगा एवं 2016 में सशस्त्र बलों के कॉम्बैट क्षेत्र में महिलाओं को नियुक्ति देने की बात स्वीकार की गई इसमें दुनिया में कुछ देश ही हैं जिन्होंने महिलाओं को वार फ्रंट पर नियुक्त किया है। पूर्व के थल सेना प्रमुख बिपिन रावत ने भी कहा था कि हम महिला और पुरुष को समान रूप से देखना चाहते एवं इसके लिए जल थल और वायु सेना एक रूपरेखा तैयार कर रही हैं जिसके सुखद परिणाम भी होंगे,सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी मजबूत रूप से सामने आएगी एवं पुरुषों की भांति देश की रक्षा तथा दुश्मनों से लोहा लेने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगीं।

कैसे पूरी हो डाक्टरों की कमी

—आर.के. सिन्हा—

भारत अपने नागरिकों को सेहतमंद रखने के लिए तुरंत एक अहम कदम यह उठा सकता है कि वह केन्द्र और राज्य सरकारों की सेवाओं से जुड़े हुए सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ा दे। पिछले कुछ दशकों में भारतीयों की औसत उम्र में भी लगातार सुधार हो रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी और जीवन स्तर में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत में औसत उम्र का दर 1950 में लगभग 37 वर्ष से बढ़कर अब लगभग 70 वर्ष की हो गई है। हालांकि, डॉक्टरों की रिटायरमेंट की आयु इन परिवर्तनों के साथ तालमेल नहीं बैठ पाई है। डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई है, पर इसे और बढ़ाने की गुंजाइश है, क्योंकि सरकारी अस्पतालों में अनुभवी डॉक्टरों की कमी है। वक्त का तकाजा है कि डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को 70 वर्ष तक कर दिया जाए। आपको देश भर में हजारों अनुभवी डॉक्टर मिल जाएंगे जो 70 साल तो छोड़िए 75 और उससे भी अधिक उम्र में प्रैक्टिस कर रहे हैं। राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जुड़े हुए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. करोली तो 90 साल की उम्र तक रोगियों को रोज चार– पांच घंटों तक देखा करते थे। वे नेहरू जी से लेकर शास्त्री जी के भी चिकित्सक थे। मुंबई में भी 80 से ज्यादा वसंत देखने के बाद भी मशहूर डॉक्टर डॉ. बी.के. गोयल एक्टिव थे। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण आपको मिल सकते हैं।

भारत में आने वाले सालों में अनेकों नए मेडिकल कॉलेज स्थापित होने जा रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि हर साल देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से 50 हजार से ज्यादा डॉक्टर देश को मिलें। इनके अलावा वे डॉक्टर भी हैं जो भारत के बाहर जाकर मेडिसन की डिग्री लेकर आते हैं। आप मान सकते हैं कि देश के हेल्थ सेक्टर में डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि लगातार होती रहेगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अनुभवी और वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लाभ देश के हेल्थ सेक्टर को मिलता रहे। यह बात इसलिए कही जा रही है, क्योंकि अनुभव का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल मानते हैं कि सरकारी डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 70 करने से न केवल अनुभवी डॉक्टरों की कमी दूर होगी, बल्कि युवा चिकित्सकों को जरूरी मार्गदर्शन भी मिलता रहेगा।

दरअसल मेडिसन की दुनिया में अनुभव का बहुत अधिक महत्व होता है। यहां पर जब कोई नौजवान मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेता है, उसके बाद वह अपने अध्यापकों के अलावा वरिष्ठ और अनुभवी डॉक्टरों के संपर्क में लगातार रहता है मार्गदर्शन के लिए। इसलिए बहुत जरूरी है कि वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लंबे समय तक लाभ उन्हें मिलता रहे जो इस पेशे में आ रहे हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव और इस पेशे में आए नए डॉक्टर मिल–जुलकर मरीजों के रोगों के उपचार को बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इस रोशनी में सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र को बढ़ाना एक जरूरी कदम हो सकता है। चूंकि डॉक्टर अपने स्वास्थ्य पर बहुत ध्यान देते हैं इसलिए वे 70 साल की उम्र तक तो पूरी तरह से काम करने लायक होते हैं। क्या किसी को बताने की जरूरत है कि अब भी देश के ग्रामीण भागों में अनुभवी डॉक्टरों की भारी कमी है? ग्रामीण भारत की जनता बीमार होने पर बड़े शहरों के अस्पतालों में पहुंचती है। हर रोज राजधानी दिल्ली के एम्स, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल, गंगा राम अस्पताल वगैरह में हजारों ग्रामीण दूर–दराज के राज्यों से इलाज के लिए पहुंचते हैं। अगर उनके गांवों के पास पर्याप्त डॉक्टर और श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध हों तो वे क्यों सैकड़ों मील चलकर दूर आयेंगे? सरकारी डॉक्टरों की उम्र बढ़ाने से गांवों में डॉक्टरों की कमी को कुछ हद तक पूर किया जा सकता है। ग्रामीण भारत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। यह बहुत चिंताजनक स्थिति है। इस समस्या का एक हल यह भी है कि रिटायरमेंट की आयु बढ़ने से वहां पर तैनात डॉक्टरों को सेवा करने का मौका मिलता रहेगा। डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि देश के ग्रामीण भागों में सर्जनों, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों, फिजीशियनों और बाल रोग विशेषज्ञों की मांग को भी पूरा करने की जरूरत है। डॉक्टरों का सेवा विस्तार करने से गांवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को एक हद तक तो दूर किया ही जा सकता है। वरिष्ठ डॉक्टर अक्सर हेल्थ सेक्टर मैनेजमेंट और नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका सेवा विस्तार करने से उनकी विशेषज्ञता का उपयोग नीतियों को आकार देने और अस्पताल प्रबंधन को बेहतर बनाने में किया जा सकेगा।

अस्पताल आई महिला की प्रसव के बाद मौत, परिजनों ने काटा हंगामा, डॉक्टर बोले– दिल का दौरा पड़ा

संवाददाता–श्रावस्ती। संयुक्त जिला चिकित्सालय में सोमवार सुबह प्रसव के लिए आई महिला की प्रसव के बाद मौत हो गई। मौत के करीब एक घंटे बाद तक शव बाहर निकालने के लिए स्ट्रेचर भी नहीं मिला। नाराज परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही बरतने व पैसा लेने का आरोप लगाते हुए अस्पताल में जमकर हंगामा काटा। सीएमएस के कहने के बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर वापस अपने गांव अशरफनगर चले गए।

मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम अशरफ नगर निवासी बेचेलाल वर्मा सोमवार सुबह करीब चार बजे अपनी पत्नी विनीता (35) को प्रसव के लिए संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा लाया था। विनीता का यह तीसरा प्रसव था। इसके एक बेटा व एक बेटी भी है। सुबह करीब पांच बजे विनीता ने नॉर्मल डिलीवरी से बेटी को जन्म दिया जिसे एसएनसीयू में भर्ती किया गया है। वहीं, बेटी के जन्म के बाद विनीता की हालत बिगड़ने लगी। इस पर परिजनों ने स्टाफ से संपर्क किया। वहां मौजूद स्टाफ ने बताया कि उसे दर्द का इंजेक्शन लगा है। बार बार उसे डिस्टर्ब न करो बाहर जाओ थोड़ी देर में आराम मिलेगा।

इसके बाद परिवार के लोगों को डिलीवरी रूम से बाहर कर दिया। दोपहर करीब 12 बजे महिला की मौत हो गई। मौत के करीब एक घंटा बाद भी शव को बाहर लाने के लिए स्ट्रेचर नहीं दिया गया। इससे नाराज परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। परिवार के लोगों का आरोप था कि चिकित्सक व स्टाफ द्वारा पैसा भी लिया गया। इसके बावजूद उचित देखभाल न करने से विनीता की मौत हो गई।

इस दौरान परिजन करीब एक घंटे तक हंगामा करते रहे। मौके पर पहुंचे सीएमएस ने मौत का कारण हार्ट अटैक बताते हुए परिवार के लोगों से शव का पोस्टमार्टम कराने को कहा जिसे परिजनों ने कराने से मना कर दिया। इसके बाद परिजन शव को वापस अपने घर ले गए।

संयुक्त जिला चिकित्सालय में सोमवार सुबह करीब नौ बजे सुखराम पुरवा सुनीता देवी प्रसव के लिए आई थी। दोपहर एक बजे के बाद तक उसके प्रसव न हुआ। इससे नाराज परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। हालांकि, अस्पताल में विनीता की मौत से घबराए परिजन बाद में सुनीता को रेफर कराकर अपने साथ बहराइच ले गए।

सीएमएस डॉ. रामगोपाल का कहना है कि विनीता का बच्चा पेट में उल्टा था जिससे उसे कुछ ज्यादा तकलीफ हुई। इससे संभव है कि उसकी हार्ट अटैक से मौत हो गई है। हमने परिजनों को पोस्टमार्टम कराने की सलाह दी थी लेकिन परिवार के लोगों ने इंकार कर दिया है।

रसोईयों ने मांग पूरी न होने पर आर पार लड़ाई लड़ने की कही बात

संवाददाता–बलरामपुर। सुशीला देवी रसोईया सेवा ट्रस्ट की एक बैठक सोमवार को दिपवा बाग रोड स्थित कैंप कार्यालय पर हुई। रसोईया संगठन के पदाधिकारी ने रसोइयों के समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। पदाधिकारी ने मांग पूरी न होने पर आर पार लड़ाई लड़ने की बात कही है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष सुशीला देवी ने कहा कि विद्यालय में कार्यरत रसोइयों को निकालने का मामला अक्सर सुनाई पड़ रहा है। विद्यालय प्रधानाध्यापक अपने कार्य में सुधार लाएं। अगर उन्होंने अपने कार्य में सुधार नहीं किया तो उनके ऐसे कार्य के विरुद्ध रसोईया संगठन आंदोलन को बाध्य होंगी। कहा कि जब रसोईया अपने कार्य को विद्यालय में बड़े ही ईमानदारी के साथ कर रही हैं तो उन्हें फिर क्यों काम से निकाला जा रहा है। जल्द ही रसोईया बैठक कर आंदोलन की रणनीति बनाएंगी। उपाध्यक्ष राम कुमार ने कहा कि राजनीतिवश प्रधानाध्यापक ऐसे कार्य कर रहे हैं। अब प्रधानाध्यापकों के विरुद्ध आंदोलन की तैयारी रसोईयां कर रही हैं। कहा कि रसोइयों को प्रत्येक महीने में दो दिन का आकस्मिक अवकाश मिलना चाहिए। उनका मानदेय बढ़ाया जाना चाहिए। रसोइयों को प्रत्येक माह कम से कम दस हजार रुपया मानदेय दिया जाए। कहा कि बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन देकर मामले से अवगत कराया गया था, लेकिन अभी रसोइयों की मांगे पूरी नहीं हुई है। रसोईया बहुत जल्द इकट्ठा होकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। बैठक में सुशील कुमार तिवारी, सचिव करन तिवारी, अनिरुद्ध कुमार, कृष्णावती, कैलाशी, गीता देवी, सवारी, कमला मिश्रा, अंजनी दुबे, रजनी यादव शाहिद तमाम रसोईया मौजूद रहीं।

ऋण जमा करने वाले लाभार्थी उठाएं एकमुश्त योजना का लाभ

संवाददाता–बलरामपुर। अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड की ओर से संचालित योजनाओं के ऋण धारकों से वसूली के लिए एक मुश्त समाधान योजना लागू की गई है। समाधान योजना के तहत ऋण जमा करने वाले लाभार्थियों के खाते में लगाया गया दंड एवं चक्रवृद्धि ब्याज माफ किया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ राहुल गुप्ता ने बताया कि धनराशि जमा करने की स्थिति में जमा तिथि तक साधारण ब्याज के साथ अवशेष सम्पूर्ण बकाया धनराशि एक मुश्त लाभार्थी को जमा करना होगा।

विवाद के दूसरे दिन भंगहा में धीरे–धीरे सामान्य हो रही दिनचर्या, कहीं खुली तो कहीं बंद रहीं दुकानें

संवाददाता–श्रावस्ती। धार्मिक झंडा लगाने को लेकर शनिवार रात भंगहा बाजार में हुए पथराव के बाद अब मामला पूरी तरह से शांत हो चुका है। पुलिस ने मामले में गिरफ्तार सभी 23 आरोपियों को जेल भेज दिया है। जबकि शेष आरोपी घर छोड़कर फरार हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। घटना के दूसरे दिन बाजार में मिलाजुला असर देखने को मिला। कुछ स्थानों पर दुकानें खुली तो ज्यादातर दुकानें बंद रहीं। वहीं सुरक्षा के लिए मौके पर अभी पुलिस बल तैनात है। भंगहा बाजार में शनिवार रात धार्मिक बैनर लगाने को लेकर दो समुदाय में विवाद हो गया था। इस दौरान दोनों तरफ से हुए पथराव में एक महिला सहित कुछ लोग घायल हो गए थे। हालांकि मौके पर भारी पुलिस बल के आ जाने के बाद मामला शांत हो गया था। इस दौरान पुलिस ने शनिवार रात ही 49 नामजद व विरुद्ध नामजद मामला दर्ज कर 23 लोगों को गिरफ्तार कर लिया

था। जिन्हें सोमवार को जेल भेजा गया। वहीं सुरक्षा के मद्देनजर मौके पर अब भी पुलिस व पीएसी बल तैनात है। बाजार में कई लोगों ने अपनी दुकान खोला, लेकिन ज्यादातर दुकानें दूसरे दिन भी बंद रहीं। इस दौरान बाजार में भी इक्का दुक्का लोग ही आते जाते दिखे। बाजार में चहल पहल न होने व लोगों के घरों से न निकलने के कारण जिन लोगों ने दुकान खोला भी। उनमें से भी ज्यादातर दुकानदार ग्राहक के न आने के कारण अपनी दुकान बंद कर घर चले गए। इस बारे में प्रभारी निरीक्षक भानुप्रताप सिंह का कहना है कि भंगहा बाजार में स्थित पूरी तरह से सामान्य है फिर भी सुरक्षा को देखते हुए पुलिस तैनात किया गया है। आरोपी घर छोड़कर फरार हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। स्थित पूरी तरह से अब सामान्य है।

भंगहा बाजार निवासी संतोष कुमार पटवा, मंजीस पटवा, प्रीतम पटवा, अजय पटवा, गौंड़रा निवासी किशन वर्मा, भंगहा बाजार निवासी आजाद अहमद, मारूफ कुरैशी, निजामुद्दीन, इरशाद, हासिम, अनवार अहमद, शमशाद अहमद, अंजार, अली अहमद, मोहम्मद फारूक, अरशद अंसारी, साजिद, मोहम्मद तल्हा, अफजल, शिवली, अनीस अहमद, मोहम्मद जुनैद व अनवर अली को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई कर जेल भेजा गया है।

सीएचसी नानपारा का ट्रांसफार्मर जला, मरीज परेशान

संवाददाता–बहराइच। सामुदायिक स्वास्थ्य के नानपारा परिसर में लगा ट्रांसफार्मर जलने लगा। विद्युत विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। जिससे स्वास्थ्य केंद्र में अंधेरा हो गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में 250 केवीए का ट्रांसफार्मर स्थापित है। सोमवार की शाम लगभग तीन बजे ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई, जिससे वह जलने लगा। स्वास्थ्य कर्मियों की सूचना पर विभाग ने सप्लाई बंद की। ट्रांसफार्मर के जलने से सीएचसी व कालोनी में विद्युत सप्लाई बाधित रही। शहरी अवर अभियंता ओम प्रकाश ने बताया कि तेल रिसाव से केबल तेल में आग लगी है। ट्रांसफार्मर ठीक है। देर शाम तक सीएचसी की सप्लाई शुरू हो जाएगी।

एक से 31 अक्टूबर तक चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

संवाददाता–श्रावस्ती। संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार पर नियंत्रण व इलाज के लिए एक से 31 अक्टूबर तक जिले में संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलेगा। वहीं 11 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में आगामी माह में चलने वाले संचारी रोग व दस्तक अभियान के संचालन से सम्बंधित निर्देश अधिकारियों को दिए गए। सीडीओ ने निर्देश दिया कि सम्बन्धित विभागों के अधिकारी संचारी रोग नियंत्रण के लिए अपने विभागों की ओर से संपादित की जाने वाली गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालन करें। इस दौरान स्वच्छता, साफ–सफाई सहित वेक्टर जनित वातावरण को समाप्त करने आदि गतिविधियां की जाएं। लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जाए। उन्होंने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्री व आशा घर–घर जाकर लोगों को संचारी रोग के बचाव के लिए जागरूक करेंगी। साथ ही लक्षणयुक्त व्यक्तियों का चिन्हित कर उनका नाम, पता व मोबाइल नम्बर के साथ पूरा विवरण ई–कवच पोर्टल पर डिजिटल अपलोड करेंगी। इसके साथ ही क्षयरोग के सम्भावित रोगियों की भी जानकारी प्राप्त करेंगी। कुष्ठ रोग, फाइलेरिया आदि रोगों के प्रति भी संवेदीकरण का कार्य पूरा करेंगी। बैठक का संचालन सीएमओ डा. एपी सिंह ने किया। बैठक में एसीएमओ डा वीके श्रीवास्तव, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा उदयनाथ, डीपीआरओ नन्दलाल आदि मौजूद रहे।

पूरे यूपी में बिक रहा नकली घी,जांच के लिए कलेजा होना चाहिए –बृजभूषण सिंह

संवाददाता–गोण्डा। आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर में प्रसाद के लड्डू में मिलावट की बात सामने आई है। लैब जांच रिपोर्ट में जिस घी से प्रसाद बनाया गया है। उसमें पशुओं की चर्बी और मछली के तेल होने का दावा किया गया है। वहां की सरकार ने इसके लिए पूर्ववर्ती सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। इसी बीच गोंडा जिले की कैसरगंज लोकसभा सीट से बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि मै दो साल से कह रहा हूं। कोई मान ही नहीं रहा है। तिरुपति का लड्डू ही क्यों पूरे उत्तर प्रदेश में जितने भी बिक रहे हैं। उनकी जांच कर लो। एक बाबा जी का हमने नाम लिया था। उन्होंने हमारे ऊपर मुकदमा ठोक दिया। मै तो धन्यवाद देता हूं। वहां के मुख्यमंत्री का कलेजा था। जिसने जांच कराई। यहां भी जांच करने के लिए कलेजा होना चाहिए। जांच करानी चाहिए। उत्तर प्रदेश में एक पूजा घी बिक रहा है। तिल का तेल बिक रहा है। इसकी जांच कराओ न जब उनसे सवाल किया गया कि आप किस से जांच करने की मांग कर रहे हैं। तो उन्होंने कहा कि हम अपनी सरकार से जांच करने की मांग कर रहे हैं।

किसानों ने बाईपास मुआवजे के लिए किसानों ने भरी हुंकार

संवाददाता–देवरिया। बाईपास से प्रभावित किसानों को बिना कटौती उचित मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने सोमवार को जिला मुख्यालय पर हुंकार भरी। उन्होंने तीखी धूप और भीषण गर्मी में सुभाष चौक से लेकर कलेक्ट्रेट तक नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट में किसान महापंचायत कर बिना कटौती सर्किल रेट से चार गुना मुआवजा देने की मांग की। किसानों के आंदोलन को देखते हुए कलेक्ट्रेट को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। भारतीय किसान यूनियन के पूर्वी उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष विनय सिंह, जिलाध्यक्ष गिरीश नारायण शाही उर्फ बड़े शाही के नेतृत्व में किसानों ने न 727 ए और भी से प्रभावित किसानों को समुचित मुआवजा देने की मांग को लेकर सुभाष चौक से लेकर कलेक्ट्रेट तक नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने कलेक्ट्रेट में किसान महापंचायत कर एनएच 727 ए देवरिया बाईपास तथा एनएच 727बी सलेमपुर –नवलपुर बाईपास से प्रभावित किसानों को बिना कटौती सर्किल रेट से चार गुना मुआवजा देने की मांग की। इसमें किसान नेता विनय सिंह सैंधवार ने कहा कि बाईपास, फोर लेन के नाम पर

किसानों के जमीन का जिले में व्यापक पैमाने पर अधिग्रहण किया जा रहा है। एक तरफ जिला प्रशासन 2020 के सर्किल रेट से ग्रामीण किसानों को प्रत्येक गाटा में 102 एयर तक चार गुना मुआवजा देने के बाद पूरे जमीन के मुआवजा में 2ध3 अर्थात 67: की कटौती कर ले रहा हैं। वहीं अर्ध नगरी, नगरीय एवं विशिष्ट गावों में 2020 के सर्किल रेट से 102 एयर तक सर्किल रेट का दोगुना मुआवजा देने के बाद पूरे जमीन के मुआवजा में 2ध3 अर्थात 67: की कटौती कर ले रहा हैं। इसे किसान बर्दाश्त नहीं करेंगे और भारतीय किसान यूनियन, भूमि बचाओ संघर्ष समिति व किसान संघर्ष समिति इसका पुरजोर विरोध करेगा। जिलाध्यक्ष गिरीश नारायण शाही उर्फ बड़े शाही ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन किसानों के मान सम्मान पर कोई आंच नहीं आने देगी, चाहे इसके लिए हमको कोई भी कुर्बानी देना पड़े। भारतीय किसान यूनियन किसानों की लड़ाई हमेशा से लड़ती रही है।

किसान महापंचायत में जिला महासचिव धनंजय सिंह, भाकियू पूर्वी उत्तर प्रदेश के सचिव विनोद गुप्ता, सुरेन्द्र चौहान, गोबिंद गुप्ता, युवा जिलाध्यक्ष कृष्ण मोहन उर्फ मुन्ना सिंह, जिला सलाहकार मदन चौहान, जिला कोषाध्यक्ष चंद्रदेव सिंह, अरविन्द उपाध्याय, डा. सुरेन्द्र चौहान, सुनील राय, बृजेश सिंह, हरिकेश मौर्य, बृजेश यादव, विजय चौरसिया, सत्याग्रह सरोज, सुशील कुमार मानव, हर्षिया नन्द सिंह, दिग्विजय नारायण कुशवाहा, रामाश्रय यादव, हदीश अंसारी, कमलेश्वर सिंह, विजय बहादुर यादव, वेद व्यास पाण्डेय तथा भारी संख्या में महिला किसान शामिल रहीं।

कृषि रक्षा अधिकारी ने दुकानदार पर दर्ज कराया मुकादमा

संवाददाता–देवरिया। थाना क्षेत्र सुरौली के पकड़ी बाजार में बिना लाइसेंस के पेस्टिसाइड बेच रहे दुकान की जांच करने पहुंची जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने दुकानदार पर अभद्रता, सरकारी काम में व्यवधान, सरकारी अभिलेख फाड़ देना, जान से मारने व बिना आवश्यक प्रपत्रों के पेस्टिसाइड बेचने समेत विभिन्न आरोप लगाते हुए सुरौली पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। सुरौली पुलिस ने दुकानदार समेत दो के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सुरौली थाना क्षेत्र के पकड़ी बाजार स्थित किसान कृषि सेवा प्रतिष्ठान नाम से एक खाद बीज की दुकान संचालित है। बिगत बीस सितंबर को जिला कृषि रक्षा अधिकारी ईरम जांच करने के लिए दुकान पर पहुंचती हैं। जांच के दौरान उन्होंने ने पाया कि दुकान में बिना आवश्यक प्रपत्र के पेस्टिसाइड की बिक्री की जा रही है। पुलिस को दिए तहरीर में कृषि रक्षा अधिकारी का आरोप कहा है कि पेस्टिसाइड बेचने का लाइसेंस कागजात मांगने पर दुकानदार संजय कुमार पांडेय व संतोष पांडेय मेरे साथ जांच में सहयोग न करते हुए अभद्र व्यवहार करते हैं तथा सरकारी अभिलेख को फाड़ देते हैं व जान से मारने की धमकी भी देते। कृषि रक्षा अधिकारी के तहरीर पर सुरौली पुलिस ने दुकानदार संतोष कुमार पांडेय व संजय पांडेय के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 352, 351(1), 324(3), 132, 29सी), 29(1)(एफ), कीट नाशक अधिनियम व 3ध7 ईसी एक्ट के तहत नामजद मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

तराई में दिमागी बुखार व डेंगू के बढ़े मामले, कई बच्चे गंभीर

संवाददाता–बहराइच। तराई में बदले मौसम के मिजाज से दिमागी बुखार व डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है। जिला अस्पताल में सोमवार को कई बच्चे गंभीर हालत में भर्ती कराए गए हैं। आधा दर्जन बच्चों को पीआईसीयू में वेंटीलेटर पर रखा गया है। संदिग्ध रोगियों के प्लेट्लेट्स जांच के लिए पैथालोजी भेजी गई है। बाल रोग चिकित्सकों की टीम बच्चों की निगरानी में लगी हुई है। चिकित्सकों का कहना है कि वायरल बुखार में भी प्लेटलेट्स की कमी हो रही है। जिले में एईएस व डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। जिला अस्पताल की ओपीडी में सुबह ही बुखार पीड़ित मरीजों की भीड़ उमड़ रही है। सोमवार को जिला अस्पताल में डेंगू के लिए आरक्षित वार्ड में छह मरीज भर्ती कराए गए हैं। निजी पैथालोजी की जांच में डेंगू की पुष्टि होने पर इन्हें यहां भर्ती कराया गया है। 62 वर्षीय देव नरायन को 35 हजार प्लेटलेट्स होने पर हालत बिगड़ गई। निजी पैथालोजी पर जांच कराने पर डेंगू की पुष्टि हुई है। गंभीर हालत में उन्हें डेंगू वार्ड में भर्ती कराया गया है। 45 वर्षीय तिलकराम व अकरम को भी डेंगू होने पर यहां लाया गया है। इन मरीजों को सैंपल दोबारा लेकर जांच के लिए पैथालोजी भेजा गया है।

चिल्ड्रेन वार्ड का पीआईसीयू पूरी तरह से दिमागी बुखार पीड़ित बच्चों से भरा हुआ है। सोमवार को बुखार से पीड़ित 16 बच्चों को वार्ड में भर्ती कराया गया है। इनमें जैतापुर राम बाबू (6), श्रावस्ती जिले के हरीपुर निवासी (8)अंकित, बलरामपुर के रमन (14) को दिमागी बुखार से शनिवार शाम को हरीपुर में चिल्ड्रेन वार्ड से पीआईसीयू में शिफ्ट किया गया है। बालरोग विशेषज्ञ डॉ. एसके सिंह ने बताया कि एईएस व डेंगू के संदिग्ध बाल रोगियों की संख्या बढ़ रही है। वार्ड में पर्याप्त दवाएं व संसाधन उपलब्ध हैं।

निबंध प्रतियोगिता में समीक्षा प्रथम व मनीष द्वितीय

संवाददाता–बहराइच। स्वच्छता पखवाड़े के तहत नगरपालिका परिषद ने सुंदर शिशु मंदिर जूनियर हाईस्कूल में स्वच्छता को लेकर निबंध प्रतियोगिता का अयोजन किया। प्रतियोगिता में जूनियर स्तर के छात्र– छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में समीक्षा श्रीवास्तव प्रथम, मनीषा जायसवाल द्वितीय व पल्लवी वर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतिभागियों को पुरस्कार व अन्य प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

एसबीएम प्रभारी विद्या प्रसाद जायसवाल ने प्रतिभागियों व शिक्षकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। जायसवाल ने बच्चों को साफ–सफाई का महत्व बताते हुए नगर को साफ–सुथरा रखने के लिए पालिका की ओर से किए जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए अपील किया कि कूड़े को निर्धारित स्थलों पर ही फेकें। इससे नगर को साफ–सुथरा रखने में मदद मिलेगी। गीला व सूखा कचरा अलग– अलग डालने की अपील की। विद्यालय प्रबन्धक अतुल चंद श्रीवास्तव ने पॉलिथीन के दुष्प्रभावों के बारे में बताया कि यह पर्यावरण के लिए बेहद घातक है। इसका प्रयोग नहीं करना चाहिए आप सभी माता– पिता से पॉलिथीन का उपयोग न करने के लिए कहें। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक व नगरपालिका कर्मी मौजूद रहे।

छात्रों को दी गई युद्ध कला की जानकारी

संवाददाता–श्रावस्ती। 51 वीं यू पी बटालियन के तत्वावधान में सिरसिया के घोघवा कला के बनवारी देवी अशोक कुमार स्मारक महाविद्यालय में चल रहे 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन सोमवार को कैडेटों को युद्ध कला व मैदानी कला की विधिवत जानकारी दी गई। सोमवार को शिविर का शुभारंभ बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अरविन्द प्रताप सिंह ने किया। सुबह कैडेटों की दिनचर्या योग से प्रारंभ हुई। इसके पश्चात टोलीवार कैडेटों को युद्ध कला व मैदानी कला की विधिवत जानकारी दी गई। कैडेटों को बताया गया कि फील्ड क्राफ्ट जमीन और उपलब्ध हथियार का अपने फायदे के लिए सर्वोत्तम उपयोग करने की कला है। युद्ध शिल्प और कुछ नहीं बल्कि अभ्यासों का एक सेट है जो युद्ध क्षेत्र में सफल संचालन के संचालन के लिए आवश्यक है। इसके बाद कैडेटों को एनसीसी सर्टिफिकेट परीक्षा में आने वाले विभिन्न विषयों की जानकारी देते हुए उन्हें परीक्षा की तैयारी के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान बटालियन के एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अनुराग गंजवार, लेफ्टिनेंट डॉ सूर्यभान रावत,सूबेदार नायक, सूबेदार खड़का बहादुर,नायब सूबेदार बलवीर सिंह सहित कई एनसीसी ऑफिसर स्टाफ मौजूद रहे।

भक्त प्रहलाद की कथा सुन मंत्रमुग्ध हुए लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भक्त भगवान के जिस रुप को अपने अपने हृदय में वास लेता है भगवान इस रूप में भक्ति का कल्याण कर देते हैं उक्त बातें मणिरामदास छावनी में चल रहे सप्तदिवसीय श्रीमद् भागवत कथा चौथे दिन कि कथा में महामंडलेश्वर विजयराम दास भैया जी महराज बल्लभगढ़ वाले ने कही। भगवान का कोई आकार और रूप निश्चित नहीं है जिस आकार में आप भगवान को चाहते हैं उसी आकर और स्थान पर प्रगट हो जाते हैं। श्री महाराज जी ने भक्त प्रहलाद चरित्र, भरत चरित्र, पृथु चरित्र व हिरणकश्यप बध, नरसिंह अवतार व समुद्र मंथन का वर्णन किया। कथावाचक ने व्याख्यान करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का केंद्र है आनंद। आनंद की तल्लीनता में पाप का स्पर्श भी नहीं हो पाता। भागवत कथा एक ऐसा अमृत है कि इसका जितना भी पान किया जाए मन तृप्त नहीं होता है। उन्होंने कहा कि हिरणकश्यप नामक दैत्य ने घोर तप किया, तप से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी प्रकट हुए व कहा कि मांगों जो मांगना है। यह सुनकर हिरनयाक्ष ने अपनी आंखें खोली और ब्रह्माजी को अपने समक्ष खड़ा देखकर कहा–प्रभु मुझे केवल यही वर चाहिए कि मैं न दिन में मरूं, न रात को, न अंदर, न बाहर, न कोई हथियार काट सके, न आग जला सके, न ही मैं पानी में डूबकर मरूं, सदैव जीवित रहूं। उन्होंने उसे वरदान दिया। हिरणकश्यप के पुत्र प्रहलाद भगवान विष्णु के परम भक्त थे। हिरणकश्यप भागवत विष्णु को शत्रु मानते थे। उन्होंने अपने पुत्र को मारने के लिए तलवार उठाया था कि खंभा फट गया उस खंभे में से विष्णु भगवान नरसिंह का रूप धारण करके जिसका मुख शेर का व धड़ मनुष्य का था। भक्त के कल्याण के लिए हिरणकश्यप का वध कर दिया। कथा की चौथे दिवस के सोपान मणिरामदास स्वामी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा जीवात्मा के कल्याण के लिए होती है अवध धाम में श्रीमद् भागवत कथा सुनने से मनुष्य का कल्याण हो जाता है। भैया जी महाराज ने महंत परशुराम दास के नेतृत्व में कथा में आए अयोध्या के संतो महंतो का स्वागत सम्मान चाहिए। कथा के समापन पर आरती हुई और प्रसाद वितरण किया गया।

फंदे से लटकी मिली महिला की लाश

संवाददाता–श्रावस्ती। संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला की लाश पेड़ के सहारे फांसी के फंदे से लटकी पाई गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पिता ने तहरीर देकर पति समेत ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाया है।

हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के मोहनलाल पुरवा की निवासी केसरानी (30) पत्नी पवन कुमार की लाश सोमवार सुबह घर के पास लगे बरगद के पेड़ के सहारे फांसी के फंदे से लटकी पाई गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतका के पिता कुशहार यादव निवासी बेलरी थाना मल्हीपुर ने तहरीर देकर पति समेत अन्य ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाया है। पिता का आरोप है कि उसने 10 वर्ष पहले बेटी की शादी पवन के साथ ही थी। शादी के बाद बेटी ससुराल आई तो कम दहेज को लेकर ससुरालीजन उसे प्रताड़ित करने लगे।

इससे तंग आकर केशरानी मायके चली गई और पांच वर्ष तक मायके में ही रही। सुलह समझौते के बाद केशरानी चार महीने पहले दोबारा ससुराल आ गई थी। पिता का आरोप है कि पति समेत ससुरालियों ने उसकी हत्या की है। गिरंट थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

सजने लगे पंडाल, प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे कारीगर

संवाददाता–महराजगंज। आगामी 3 अक्टूबर से शुरू होने वाले शारदीय नवरात्र की तैयारियां जोर–शोर से शुरू हो गई हैं। इस मौके पर सिसवा कस्बे में परंपरागत तरीके से करीब चार दर्जन स्थानों पर पूजा के भव्य पंडाल सजाए जा रहे हैं। इन पंडालों में नवरात्र के पहले दिन आदिशक्ति को विराजमान किया जाएगा। इसके लिए मां दुर्गा की प्रतिमाओं को आकार देने तथा सजाने संवारने में कारीगर पूरे मनोयोग से जुटे हुए हैं। नगर में आदिशक्ति की उपासना का पर्व आगामी 3 से 12 अक्टूबर तक बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। नवरात्र के मौके पर सिसवा नगर सहित अगल–बगल के ग्रामीण इलाकों सहित करीब चार दर्जन से अधिक जगहों पर परंपरागत तरीके से पूजा पंडाल सजाए जाते हैं। समय नजदीक आने के चलते मूर्तिकार भी आदिशक्ति की प्रतिमाओं को आकार देने के साथ ही उन्हें सजाने संवारने में पूरे मनोयोग से जुटे हुए हैं। मिट्टी, लकड़ी, घास–फूस आदि से मां दुर्गा की प्रतिमाओं को तैयार करने में जुटे हाथों के हुनरमंद कोलकाता निवासी मूर्तिकार स्व. शंभू विश्वास के पुत्र समीर विश्वास ने बताया कि अधिकांश मूर्तियां बारह से पंद्रह फुट की बनाई गई हैं। वहीं छोटी मूर्तियां ढाई से तीन फुट की हैं। देवी प्रतिमाओं को तैयार करने में जुटे मूर्तिकार ने बताया कि एक मूर्ति को तैयार करने में करीब आठ से दस दिन का समय लग जाता है। मिट्टी को छानना, गीला कर कुटाई व आंटे की तरह माड़ना भी होता है। इसके बाद गोंद, अखबार आदि के सहारे मूर्तियों को आकार दिया जाता है। इस समय नवरात्र त्योहार के लिए मूर्तियों को सजाने संवारने में जुटे कारीगरों ने बताया कि मूर्तियों की तैयारी अंतिम चरण में है। प्रति वर्ष 35 से 40 मूर्तियां बनाई जाती हैं। इसके साथ ही आर्डर के हिसाब से भी मूर्तियों को तैयार किया जाता है। मूर्तियों की कीमत बीस हजार से लगायत अस्सी हजार रुपये तक है।

एयरफोर्स कर्मी की पत्नी से 27.45 लाख की जालसाजी, मुकदमा दर्ज, साइबर टीम कर रही जांच

संवाददाता–गोरखपुर। एयरफोर्स कर्मी की पत्नी से 27.45 लाख रुपये की जालसाजी का मामला सामने आया है। तहरीर के आधार पर साइबर थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित महिला ने बताया कि वह सोशल मीडिया के जरिए शेयर मार्केट में रुपये लगाकर अधिक रुपये कमाने के चक्कर में फंस गई और ऐसे उनके खाते से रकम साइबर ठगों ने खाली कर दिया। झारखंड प्रांत के धनबाद जिला के छाताबाद निवासी दिलीप कुमार विश्वकर्मा ने केस दर्ज कराया है। तहरीर के मुताबिक, 18 जून को पत्नी कोमल के फेसबुक एकाउंट पर कोटक इन्वेस्टमेन्ट क्लब नाम से एक लिंक आया, जिसमें शेयर मार्केट से संबंधित टिप्स देने की बात कही गई। पत्नी शेयर मार्केट में थोड़ी दिचस्पी रखती है, इस वजह से लिंक ओपेन कर उस ग्रुप से जुड़ गई। धीरे–धीरे उस ग्रुप के द्वारा गुगल प्ले स्टोर से बूल्क कोटक प्रो नाम का ट्रेडिंग एप डाउनलोड करने के लिए कहा गया। धीरे–धीरे इस एप में ज्यादा प्रोफिट देने के नाम पर ट्रेडिंग करवाने लगे।

इसी बीच किसी काम से उन्हें शहर से बाहर जाना पड़ा। पत्नी की तरफ से 10 जुलाई को लगभग आठ लाख रुपये इन्वेस्ट कर दिया गया। 15 जुलाई को कोटक इन्वेस्टमेन्ट क्लब ग्रुप के द्वारा बताया गया कि सहज सोलर सिस्टम का एक आईपीओ आने वाला और उसमें प्रोफिट होने की संभावना बहुत ज्यादा है।

साथ ही यह भी बताया गया कि इस एप में पहले बिड लगाना है, उसके बाद पैसा देना है। 16 जुलाई को उनके द्वारा बताया गया कि आपका लगभग 20 लाख का आईपीओ लग गया और आपको 12 लाख रुपये और देने होगें, तब तक मैं शहर से बाहर ही था। पत्नी द्वारा फोन पर मुझे बताया गया कि एप में आईपीओ पाने के लिए 12 लाख रुपये और देना होगा। इसके बाद कई बार में खाते से 27.45 लाख रुपये कट गए।

डीएम, एसपी ने किया जिला जेल का निरीक्षण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ.राजा गणपति आर व एसपी प्राची सिंह ने सोमवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जिम्मेदारों को जरूरी दिशा निर्देश दिया। अफसरों ने सभी बैरकों का गहनता से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बैरकों में किसी प्रकार की आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। जेलर ने बताया कि नियमित रूप से जेल की चेकिंग की जाती है। एसपी ने जेलर को निर्देशित किया कि नियमित रूप से कारागार का निरीक्षण करते रहें व शातिर किस्म के बंदियों पर विशेष नजर रखें। जरूरत के अनुसार समय–समय पर कारागार में निरुद्ध बंदियों की गतिविधियों की जानकारी देते रहें।

डीएम संत कबीर नगर का प्रयोग,अब नए कलेवर में दिखेगा शहर– एक परिसर में मिलेंगी सभी सुविधाएं

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद शहर के आजाद चौक के पास खाली कराई गई जमीन पर कबीर इंपोरियों पब्लिक बिल्डिंग बनाने की तैयारी प्रशासन ने शुरू कर दी है। यहां पर एक ही परिसर में तमाम तरह की सुविधाएं मिलेंगी। जिससे शहर नये कलेवर में दिखेगा। डीएम ने इसके लिए प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। शासन से हरी झंडी मिलने के बाद जल्द ही निर्माण कार्य शुरु हो जाएगा। नगर पालिका परिषद खलीलाबाद कार्यालय के पास जमीन है। यह पूर्व में कब्रिस्तान के रूप में उपयोग में लाया जाता था, लेकिन करीब 20 साल से कब्रिस्तान दूसरे जगह बन गया। ऐसे में यहां आस–पास लोगों ने अतिक्रमण कर दुकानें लगा ली। करीब 20 साल से यह कब्जा बना रहा। इस बीच नगर पालिका प्रशासन ने कई बार अतिक्रमण हटवाने का प्रयास किया, लेकिन हर बार किसी ने किसी कारण से अतिक्रमण हटाने में सफलता नहीं मिली। इधर, डीएम ने सख्त रूख अख्तियार किया तो नगर पालिका व राजस्व विभाग की टीम

ने पुलिस के सहयोग से जमीन को अतिक्रमण मुक्त दिया है। अब इस जमीन पर कबीर इंपोरियों पब्लिक बिल्डिंग बनाने की पहल की गई है। जो प्रस्ताव बना है, उसके मुताबिक यहां पर एक बड़ा स्टोर बनेगा। जहां कई तरह के सामान उपलब्ध होंगे। बच्चों से लेकर हर वर्ग के लिए यहां पर सामान मिलेगा। इसमें रोजमर्रा की जरूरतों के सामान के साथ ही खान–पान और अन्य सामान उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही लोगों को वाहन खड़ा करने के लिए वाहन पार्किंग स्थल भी बनाया जाएगा, ताकि यहां खरीदारी करने आने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। डीएम ने प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। डीएम, महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि शहर को आकर्षक लुक देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के तहत खाली कराई गई जमीन पर इंपोरियों पब्लिक बिल्डिंग बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यहां पर पहले से ही पेयजल के लिए कार्य शुरू करा दिए गए हैं। जल्द ही अन्य कार्य कराए जाएंगे। बनकर तैयार होने के बाद नए शहर के रुप में ये अपनी पहचान बनाएगा।

शांति और सौहार्द के साथ खुशनुमा माहौल में मनाएं त्योहार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पथरा बाजार थाना परिसर में सोमवार को नवरात्र को लेकर प्रतिमा स्थापित करने वालों के साथ पीस कमेटी की बैठक हुई। एसओ भाग्यवती पांडेय ने कहा कि त्योहार शांति और सौहार्द के साथ खुशनुमा माहौल में मनाएं। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर तत्काल सूचित करें। उन्होंने कहा कि परंपरागत मार्ग से ही प्रतिमा विसर्जन करें। डीजे दो से अधिक न हो। धीमी आवाज में बजाएं। कहीं भी रास्ते में अगर बिजली के तार लटक रहे हों तो उसका विशेष ख्याल रखें जिससे त्योहार में खलल न पड़े। इस दौरान शारदा चौधरी, शेषराम, प्रधान मक्खन लाल, महेंद्र चौबे, अनवर, राजेंद्र मौर्य, मो हारुन, महेश गुप्त,अशोक प्रजापति आदि मौजूद रहे।

विदेशी मक्का के साथ एक पकड़ा गया

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एसएसबी जवानों ने सोमवार को बढ़नी कस्बे में कार में 20 बोरी विदेशी मक्का के साथ एक व्यक्ति को पकड़ लिया। एसएसबी की टीम माल गोदाम तिराहे के पास सोमवार को एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसमें 20 बोरी विदेशी मक्का मिला। एसएसबी जवानों ने कार सवार कस्बे के चट्टी बाजार निवासी भगवान दास पुत्र दामोदर दास को पकड़ लिया। इसी के साथ 30 हजार रुपये कीमत का कास्मेटिक सामान भी बरामद हुआ।

स्ट्रीट लाइटों की देखरेख नगर निगम स्वयं कराएगा

संवाददाता–गोरखपुर। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगवाल की पहल पर महानगर में स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत की कमान निजी फर्मों से वापस ले ली गई है। अब अपर नगर आयुक्त की निगरानी में नगर निगम कर्मचारी ही लाइटों का रखरखाव देंगे। सोमवार को बैठक कर अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह ने इस संबंध में बकायदा रोस्टर जारी किया।

बैठक के बाद अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह ने बताया कि पूरी व्यवस्था की निगरानी के लिए 05 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। 03 सुपरवाइजरों को 20–20 और 02 सुपरवाइजरों को 10–10 वार्ड सौंपे गए हैं। प्रत्येक सुपरवाइजर की टीम में 01–01 वाहन चालक और 02–02 लाइनमैनों के गैंग शामिल रहेंगे। अलग–अलग दिन लाइन मैनों को अलग–अलग वार्ड के अनुरक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संबंधित दिन नियमित रूप से इन्हें अपने–अपने वार्ड में रहकर स्ट्रीट लाइटें जांचनी पड़ेगी। साथ ही शिकायत पर तत्काल मौके पर पहुंच लाइटों को दुरुस्त करना पड़ेगा। सोमवार की बैठक में सभी सुपरवाइजर, वाहन चालक और लाइन मैन शामिल रहे। स्ट्रीट लाइटों की निगरानी सेंट्रल कंट्रोल एवं मानिटरिंग सिस्टम सीसीएमएस से भी होगी। बैठक में सीसीएमएस यह सिस्टम कैसे काम करता है,प्रस्तुतिकरण के जरिए कर्मियों को अवगत कराया गया। वर्तमान में नगर निगम ने चार फर्मों को 20–20 वार्डों की जिम्मेदार दी गई थी।

आस्कर के लिए चुनी गई 'लापता लेडीज', रवि किशन बोले– पूर्वांचल के लिए गर्व की बात

संवाददाता–गोरखपुर। अभिनेता से नेता बने और गोरखपुर से लगातार दूसरी बार सांसद चुने गए रवि किशन की मूवी 'लापता लेडीज' का चयन ऑस्कर अवार्ड 2025 के लिए हुआ है। सिनेमा में इन्हें ठेठ थानेदार की भूमिका में देखा जा सकता है। मनोहर के किरदार में पान चबाते रवि किशन अपने किरदार में दर्शकों को खासे पसंद आए। इसमें रवि किशन ने पुलिस के किरदार के साथ ही कॉमेडी–ड्रामा का भी बेहतरीन कॉकटेल किया है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद भी किया। सिनेमा में रवि किशन ऐसे थानेदार की भूमिका में दिखे, जो गुमशुदा दुल्हन की तलाश करने में जुटा रहा। हालांकि, इसमें रवि किशन ने सिनेमा के स्क्रिप्ट की तरह एक भ्रष्ट थानेदार का रोल अदा किया है, इस अदा को भी लोगों ने खूब पसंद किया है। किरदार में रवि किशन एक मध्यम आयु वर्ग के व्यक्ति, जिनके बाल अच्छी तरह से कंघी किए हुए हैं और जिन्हें पान खाना बहुत पसंद है।

ऐसे रोल में दिखेंगे। व्यक्तिगत जीवन में सिर्फ कभी–कभार लौंग–इलायची खाने वाले अभिनेता रवि किशन ने 'लापता लेडीज' में अपनी अदाकारी के साथ ही अपने शानदार पान खाने की अदा के लिए भी खासी सुर्खियां बटोरीं। किरण राव निर्देशित लापता लेडीज सिनेमा को बेस्ट फॉरेन फिल्म की कैटेगरी में आधिकारिक एंट्री मिली है। रवि किशन की ये फिल्म एनिमल, कल्कि, श्रीकांत सरीखी फिल्मों के साथ ऑस्कर में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही थी। इस चयन पर सांसद रवि किशन ने प्रसन्नता जताई। कहा, ये पूर्वांचल के साथ प्रदेश के लिए एक तरह गौरव की बात है। गोरखपुर सांसद होने के साथ सिनेमा के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाने की कोशिश करते रहता हूं।

34 वर्ष में पहली बार मेरी सिनेमा ऑस्कर में गई है। भारतीय मूल की फिल्म को ऑस्कर में पूरा विश्व देखेगा। आत्मनिर्भर भारत और बेटी अपने सपनों की लड़ाई कैसे लड़ती है, सिनेमा के माध्यम से पूरा विश्व देखेगा।

यही कारण है कि गोरखपुर की जनता ने दूसरी बार सांसद और देश के दर्शकों ने सिनेमा के प्रति अपना इतना प्यार लुटाया है, सभी के प्रति मेरा आभार है। इस चयन पर गोरखपुर में उनके समर्थकों ने फेसबुक पोस्ट साझा कर उन्हें बधाई देना शुरू कर दिया है। राज गौरव सिंह ने फेसबुक पर पोस्ट साझा किया, सदर सांसद रवि किशन गोरखपुर की आन, बान और शान अब विदेश में भी गोरखपुर का जलवा बिखेर रहे।

लैब टेक्नीशियन ने इंजीनियर पर लगाया अभद्रता का आरोप

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के पैथोलॉजी विभाग में कार्यरत सभी लैब टेक्नीशियन ने एफएमएस इंजीनियर पर अभद्रता करने का आरोप लगाया है। स्टॉफ ने कॉलेज के वाट्सअप ग्रुप में मैसेज कर धमकी का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर सभी स्टॉफ ने सीएमएस को हस्ताक्षर युक्त पत्र सौंपकर इंजीनियर पर कार्रवाई की मांग की है। पैथोलॉजी विभाग के लैब टेक्नीशियन राजेश वर्मा, प्रदीप मिश्र, अरुण त्रिपाठी, संजीत गुप्त, अनुराग श्रीवास्तव, जय प्रकाश चौधरी, अमन पटेल, गौरव सिंह, पवन मिश्र, अनीता त्रिपाठी, सुरेंद्र वर्मा, महेंद्र मौर्य, रवि वर्मा, आशीष गुप्त, प्रांजल गुप्त आदि ने सीएमएस को दिए हस्ताक्षर युक्त पत्र में बताया कि मेडिकल कॉलेज के एचएमआईएस एएसएमसी एसएन ऑनलाइन रिपोर्ट ग्रुप में एफएमएस इंजीनियर ने सोमवार को धमकी,अभद्र भाषा का प्रयोग किया है। कर्मियों ने शिकायती पत्र के साथ वाट्सएप ग्रुप में किए गए पोस्ट का स्क्रीनशॉट लगाया गया। कर्मियों ने बताया कि पूर्व में भी इस तरह की धमकी कई बार दी गई है। कर्मियों ने इंजीनियर के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

चयन में रखें मानकों का ख्याल, आवेदन न आने पर थमाएं नोटिस

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जनपद के सभी ब्लॉकों में आशा के रिक्त स्थानों पर चयन प्रक्रिया होनी है। डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने सभी सीएचसी–पीएचसी के अधीक्षक को निर्देशित किया है कि आशा चयन में मानकों का पूरा ख्याल रखें। रिक्त गांवों से चयन प्रक्रिया के लिए एक भी आवेदन न आने पर संबंधित गांव की एएनएम को तत्काल नोटिस थमाएं। डीएम ने सीएमओ के माध्यम से जनपद के सभी ब्लॉकों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि नई आशा का चयन समय सारिणी के अनुसार ही किया जाए। इसमें सभी अधीक्षक व प्रभारी चिकित्साधिकारी आशा चयन के संबंध में मानक के अनुरूप आवेदन प्राप्त करें। जिन स्थानों पर मानक अनुसार आवेदन प्राप्त हो गए हैं, उनके चयन की कार्रवाई पूरी पारदर्शिता के साथ करते हुए रिपोर्ट चयन सूची सीएमओ को उपलब्ध कराएं। इसके अलावा रिक्त आशा चयन वाले जिन गांवों से एक भी आवेदन प्राप्त न हुए हों, उन गांव की संबंधित एएनएम की लापरवाही मानते हुए नोटिस जारी करें। डीएम ने आशा चयन प्रक्रिया के लिए नोडल अधिकारी की भी जिम्मेदारी तय की है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0 T 202417140202774

अन्तर्गत धारा 116 उ0प्र0रा0संहिता 2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर जिला–बस्ती

दिनेश चन्द्र आदि

बनाम

मेहीलाल आदि

बावत मौजा बनरही जंगल तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

1. मेहीलाल पुत्र पॉचू 2. रामवरन 3. बलवन्त पुत्रगण मोतीलाल साकिनान मौजा बनरही जंगल तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग 4. लाला चौहान 5. मुन्ना चौहान पुत्रगण रामनेरश 6. राजेश कुमार 7. राकेश कुमार 8. शैलेश कुमार पुत्रगण राम प्रकाश 9. श्याम सुन्दर 10. राजकुमार पुत्रगण सीताराम 11. जनार्दन 12. रामबहादुर पुत्रगण कनिकराम 13. राम उजागिर पुत्र भरोसे साकिनान मौजा बनरही जंगल तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

14. ग्राम पंचायत बनरही जंगल जरिये प्रधान निवासी बनरही जंगल तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

–प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 11–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 11 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 19 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0 T 202417140202775

अन्तर्गत धारा 24 उ0प्र0रा0संहिता 2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर जिला–बस्ती

श्रीमती अरबुननिशा

बनाम

रामललित आदि

बावत मौजा सुहई तप्पा पिड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

1. रामललित पुत्र वृजलाल साकिन सुहई तप्पा पिड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती 2. ग्राम पंचायत/भूमि प्रबन्धक समिति द्वारा प्रधान/अध्यक्ष ग्राम सभा सुहई तप्पा पिड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 19 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

T.A प्रार्थना पत्र

अदालत– श्रीमान कलेक्टर महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मो0 सलीम आदि

बनाम

महरून्निशा आदि

1. महरून्निशा पुत्री नसरूल्लाह 2. अफजाल पुत्र अहमद गफफार साकिन मंगला बाजार (जामा मस्जिद) तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 19 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

1.43 लाख टन होगी धान खरीद, 87 धान क्रय केंद्र स्वीकृत

संवाददाता–गोरखपुर। न्यूनतम मूल्य समर्थन योजना धान खरीद वर्ष 2024–25 के अन्तर्गत गोरखपुर में इस वर्ष 1.43 लाख टन धान की खरीद का लक्ष्य है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पिछले वर्ष स्थापित 136 केन्द्रों के सापेक्ष अब तक 87 धान क्रय केन्द्र अनुमोदित किए गए हैं। जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश द्वारा स्वीकृत धान क्रय केंद्रों में खाद्य विभाग के 46, क्रय संस्था पीसीएफ के 30, यूपीसीयू के 06, यूपीएसएस के 04 और भारतीय खाद्य निगम के 01 धान क्रय केन्द्र चयनित हैं।

जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक में गोरखपुर में धान खरीद 01 नवम्बर से 29 फरवरी तक की जायेगी। इस वर्ष भारत सरकार ने कामन धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। खाद्य विभाग के पोर्टल पर किसान भाईयों को पंजीकरण के लिए अभी से जागरूक किया जा रहा है। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड, आन–लाईन खतौनी एवं मोबाईल नम्बर आवश्यक होगें।

किसान भाई सहज जन सेवा केन्द्र, साईबर कैफे अथवा किसान मित्र एप के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते है। पंजीकरण व पीएफएमएस के सत्यापन की स्थिति किसान अपने मोबाईल पर किसान मित्र एप डाउन लोड कर देख सकते हैं। इस वर्ष शासन ने गोरखपुर जनपद के लिए धान खरीद लक्ष्य 1,43,000 टन निर्धारित किया है। चावल मिलों का सत्यापन कराया जा रहा है। इसके अलावा इस बार चावल मिलों का संबद्धीकरण आटोमेशन प्रक्रिया से होका। कृषक पंजीकरण के लिए प्रत्येक सम्पूर्ण समाधान दिवस में क्षेत्रीय विपणन अधिकारी एवं विपणन निरीक्षक से समन्वय स्थापित कर करा सकते है। इसके अलावा तहसीलों में पंजीकरण कैम्प भी लगाया जा रहा है। फिलहाल अब तक 422 किसानों ने पोर्टल पर धान खरीद के लिए अपना पंजीकरण कराया है।

जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी अरविंद कुमार दुबे ने किसानों से अपील किया है कि खाद्य विभाग की वेबसाईट पर अपना पंजीकरण करा लें जिससे समय से उपज का सत्यापन कराया जा सके। पीएफएमएस पर भुगतान के लिए आधार लिंक खातों का सत्यापन भी कराया जा सके। इसके अतिरिक्त किसान भाईयों को धान विक्रय से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो, जिला खाद्य विपणन अधिकारी गोरखपुर के सीयूजी नम्बर 7839565002 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अपील सं0–C 202217000000289

अदालत– श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला बस्ती

देवेन्द्रनाथ आदि

बनाम

हरीराम आदि

1. हरीराम पुत्र रामसमुझ 2. दीप नरायन पुत्र दिग्विजय 3. राजमन पुत्र पारस 4. अम्बिका पुत्र दीनानाथ 5. रामशब्द पुत्र जोखू 6. अमित कुमार पुत्र जगदम्बा 7. श्रीमती बीना पत्नी जगदम्बा 8. बालकृष्ण पुत्र सरजू 9. रवि मिश्र पुत्र दिग्विजय 10. अंकित कुमार पुत्र जगदम्बा 11. सुग्रीव पुत्र सरजू साकिनान मौजा बेलहरकला तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर –विपक्षीगण प्रथम वर्ग 12. ग्राम पंचायत बेलहर कला द्वारा प्रधान ग्राम पंचायत बेलहर कला परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर 13. उ0प्र0 सरकार जरिये कलेक्टर संतकबीर नगर

तारीख पेशी 16–10–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 16 महीना 10 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान अपर जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला बस्ती

वाद सं0 D 202417140001843/2024

धारा30 (2) उ0प्र0रा0संहिता 2006

विन्दगोपाल त्रिपाठी

बनाम

आनन्द बहादुर पाल

1. आनन्द बहादुर पाल पुत्र हरिश्चन्द बहादुर पाल निवासी ग्राम बरडीहा तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. विजय बहादुर पाल 3. सूर्यबंशी पाल 4. संजय बहादुर पाल 5. अजय बहादुर पाल 6. आशीष पाल पुत्रगण आनन्द बहादुर पाल निवासीगण ग्राम बरडीहा तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

7. ग्राम पंचायत बड़ौगी द्वारा ग्राम पंचायत प्रधान निवासी ग्राम बड़ौगी तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 8. सरकार उ0प्र0 द्वारा कलेक्टर बस्ती

–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 01–10–2024

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 10 के 01 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2024 के माह 09 के 23 दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

नियमित टीकाकरण में जनपद लक्ष्य तक नहीं पहुंच पा रहे कर्मी

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में अगस्त माह में 36 प्रतिशत बच्चों को पूरी तरह टीकाकृत किया गया। जबकि विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य के आधे लोगों तक यह टीकाकरण अभियान नहीं पहुंच पाया है। जिले में शून्य से दो साल के 58 हजार 870 बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था। जिसमें 20 हजार 783 को टीका लगाया गया है। ऐसे में यह आंकड़ा दर्शाता है कि स्वस्थ्य कर्मी इस अभियान के प्रति कितने सजग है। वहीं लोग बच्चे को लेकर टीकाकरण केंद्रों तक नहीं पहुंच पाते हैं। लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद नियमित टीकाकरण की गति बरकरार रखने के लिए नियमित निगरानी होती है। ताकि हर नौनिहालों तक यह टीका अवश्य पहुंचे। सुरक्षित प्रसव को बढ़ावा देने एवं शिशु के स्वस्थ शरीर निर्माण के लिए समय पर नियमित टीकाकरण जरूरी है। इसलिए कोविड के साथ बच्चों को डिप्थीरिया, काली खांसी, हेपेटाइटिस बी, टेटनेस, पोलियो, टीबी व खसरा जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए नियमित टीकाकरण आवश्यक है। नियमित टीकाकरण के दौरान शून्य से दो वर्ष तक के बच्चों को बीसीजी, ओपीवी, पेंटावैलेंट, रोटा वैक्सीन, आईपीवी, मिजल्स, विटामिन ए, डीपीटी बूस्टर डोज, मिजल्स बूस्टर डोज और बूस्टर ओपीवी के टीके लगाए जाते हैं। ये टीके आंगनबाड़ी केंद्रों के अलावा हेल्थ वेलनेस सेंटर, एएनएम सेंटर के अलावा नजदीकी अस्पतालों पर भी उपलब्ध हैं। इस टीकाकरण का उद्देय है कि शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के अलावा वह किसी रोग से ग्रसित न हो हों। एएनएम द्वारा गर्भवती एवं शिशु का नियमित टीकाकरण किया जाता है। इसके अलावा जिला मुख्यालय एवं पीएचसी में भी टीकाकरण की व्यवस्था की गई है। साथ ही सरकार की ओर से चलाए जाने वाले मिशन इंद्रधनुष के अलावा अन्य अभियानों के माध्यम से टीकाकरण किए जाते हैं। अगस्त माह में पोलियो एवं पेटावैलेंट के 20783, बीसीजी 21778, मिजिल्स रेवेला 20692, जेई प्रथम 20652, आईपीवी व रोटा वायरय 20783, पीसीवी द्वितीय 21017, मिजिल्स रेवेला 16 से 24 माह 19878, जेई द्वितीय 16 से 24 माह 19775 व टीडी के 22723 टीके लगाये गए हैं। जबकि विभाग के द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 36 प्रतिशत ही विभिन्न प्रकार के टीके लगाए गए हैं।

अधीक्षक ने की एएनएम के कार्यों की समीक्षा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भनवापुर के सीएचसी सिरसिया के अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा ने एएनएम के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने संस्थागत प्रसव, बच्चों के टीकाकरण, और गर्भावस्था के दौरान जांच की महत्वपूर्णता पर बल दिया। सीएचसी सिरसिया के अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा ने सोमवार को एएनएम के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने एएनएम के मुख्य कार्य संस्थागत प्रसव, शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों के टीकाकरण, गर्भावस्था के दौरान कम से कम चार बार जांच, प्रत्येक जांच के दौरान पांच प्रकार की मुख्य सेवाओं की समीक्षा की। इस दौरान खराब प्रदर्शन करने वाली एएनएम को चेतावनी देते हुए कहा कि एक माह के भीतर सभी मुख्य बिंदुओं पर सुधार करें। आभा कार्ड का प्रचार–प्रसार करते हुए अधिक से अधिक कार्ड बनाने पर विशेष ध्यान दें।

इस दौरान बीएमसी सूर्यदेव सिंह, मेराज अहमद, राजीव त्रिपाठी, राहुल कुमार, फरहा अंजुम, सुधा, राखी आदि मौजूद रहीं।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–